सांध्य दैनिक 4PM

ये दुनिया एक रंगमंच है, और सभी पुरुष और स्त्रियां महज किरदार हैं। उनको आना और जाना होता है और एक व्यक्ति अपने जीवन में कई किरदार निभाता है।
-विलियम शेक्सपीयर

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 11 ● अंक: 280 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार 18 नवम्बर, 2025

आरआर ने संगकारा को बनाया टीम... 7 | बिहार में विस चुनाव परिणाम के... 3 | भाजपा सरकार हर तरह के भ्रष्टाचार... 2

कर्नाटक से सत्ता परिवर्तन की आहट!

सियासी दम बिरयानी की खुशबू बस बिखरने ही वाली है

- » राहुल गांधी ने पालिटिक्ल हाइड्रोजन बम यहीं से किया था लांच
- » बीजेपी के लिए कर्नाटक सिर्फ सत्ता परिवर्तन नहीं बल्कि राहुल गांधी की सियासी लैब को ध्वस्त करने का मिशन
- » महाराष्ट्र बिहार की तर्ज पर हो सकता है खेल
- » सीएम सिद्धरमैया की पहले चिट्ठी, फिर पीएम से मुलाकात
- » मंत्रीमंडल विस्तार पर उप-मुख्यमंत्री और मुख्यमंत्री के बीच रार
- » बर्खास्त मंत्री के.एन. राजन्ना की सीएम से मुलाकात, राहुल गांधी पर दिये गये बयान के चलते किये गये थे बर्खास्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक की राजनीति इन दिनों उस दम बिरयानी की देगची की तरह सुलग रही है जिसमें मसाले भी रहस्यमयी हैं आंच भी अनजानी और रसोइये भी बदलते चेहरे वाले। बस ढक्कन उठने की देर है और पूरा देश यह देखेगा कि इस देगची में कांग्रेस की सरकार या फिर बीजेपी का अगला ऑपरेशन लोटस पक रहा था।

राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि कर्नाटक महाराष्ट्र बनने वाला है वह बिहार बन सकता है या फिर एक नया राजनीतिक माडल पेश कर सकता है जिसका नाम होगा बेंगलुरु ब्लू प्रिंट। क्योंकि कर्नाटक में पिछले कुछ दिनो से जिस प्रकार की राजनीतिक घटनाएं सामने आ रही है वह किसी साधारण राजनीतिक मौसम का हिस्सा नहीं है। यह तूफान से पहले की वह खामोशी है जिसके बाद अक्सर सरकारें गिरती हैं गठबंधन टूटते हैं और नेता अचानक आधी रात को दिल्ली शिफ्ट हो जाते हैं।

24 नवम्बर सीएम सिद्धरमैया और पीएम की मुलाकात

दरअसल पिछले कई दिनों से कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अलग-अलग समस्याओं की चिट्ठी लिखनी शुरू की है। राजनीति में इसे एक गंभीर संकेत माना जाता है। क्योंकि जब राज्य का मुख्यमंत्री केंद्र को चिट्ठी लिखता है तो वह विकास कार्यों की मांग कम और अपनी राजनीतिक बेचैनी ज्यादा व्यक्त करता है। इसके बाद उनका अगले कुछ दिनों में प्रधानमंत्री से प्रस्तावित मुलाकात दिल्ली की ठंड में राजनीतिक तापमान को और बढ़ा देने वाली है। सूत्र कहते हैं कि सिद्धरमैया पहले प्रधानमंत्री से मिलेंगे फिर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से। यानी बात सिर्फ विकास की नहीं है बल्कि कुर्सी की कसावट की भी है। दिल्ली में यह सवाल खुलेआम पूछा जा रहा है कि क्या सरकार के भीतर सब ठीक नहीं चल रहा? क्या कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार भीतर से खोखली हो रही है?

कर्नाटक कांग्रेस का प्रचार-शिविर बन चुका है

बीजेपी के लिए कर्नाटक में सत्ता परिवर्तन इसलिए जरूरी कि कर्नाटक सिर्फ एक राज्य नहीं है रह गया यह राहुल गांधी बनाम मोदी की असली युद्धभूमि बन चुका है। राहुल गांधी ने कर्नाटक सरकार को ढाल बनाकर जिस वोट चोरी आंदोलन को खड़ा किया वह बीजेपी के लिए महज एक चुनावी मुद्दा नहीं था। यह वह नैरेटिव का हाइड्रोजन बम था जिसने सीधे मोदी ब्रांड की विश्वसनीयता पर चोट की। राहुल ने जिस तरह प्रधानमंत्री मोदी के फ्री और फेयर चुनाव वाले नैरेटिव को ललकारा और कर्नाटक सरकार के संसाधनों का इस्तेमाल किया उससे बीजेपी का थिंक टैंक बौखला गया। बीजेपी मानती है कि कर्नाटक से ही वोट चोरी आंदोलन को आक्सीजन मिली यहीं से राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर चुनावी धांधली का सबसे बड़ा नैरेटिव खड़ा किया और इसी राज्य ने 2024-25 की राजनीति में विपक्ष को नई ऊर्जा दी इसलिए बीजेपी के लिए कर्नाटक सिर्फ सत्ता परिवर्तन नहीं बल्कि राहुल गांधी की सियासी लैब को ध्वस्त करने का मिशन भी है। पीएम मोदी और गृहमंत्री शाह की रणनीति सीधी है वह चाहते हैं कि कर्नाटक का किला तोड़ो और राहुल गांधी के नैरेटिव को दम तोड़ने पर मजबूर कर दो। जिससे ब्रांड मोदी पर लगी वोट चोरी की धूल साफ हो जाए और और इसी बदले की आग ने आपरेशन लोटस 2.0 की रूपरेखा गुपचुप तरीके से तैयार कर दी है।

उप-मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और सीएम सिद्धरमैया

कर्नाटक में सरकार बनने से पहले मौजूदा उप-मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार पर राजनीतिक प्रताड़ना की फेहरिस्त लंबी है। वह जेल गये, ईडी के तमाम छापों का सामना किया लेकिन झुके नहीं। अंदर ही अंदर संगठन के लिए काम करते रहे। कर्नाटक में कांग्रेस का सूरज उदय हुआ और उन्होंने सीएम बनने की लालसा आलाकमान के सामने प्रकट कि। कांग्रेस ने सिद्धरमैया के अनुभव और लीडरशिप को डीके शिवकुमार के ऊपर रखा और उन्हें समझा कर डिप्टी सीएम बना दिया गया। बस यही से शुरू हुआ पॉवर गेम जो यहां तक पहुंच रहा है। उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार का यह बयान उन लोगों की समझ में आ गया होगा जिन्हें कर्नाटक की राजनीतिक की जरा सी भी समझ हैं। डीके शिवकुमार ने कहा है कि नेता तभी टिकेंगे जब पार्टी बचेगी।

» डीके शिवकुमार ने कहा है कि नेता तभी टिकेंगे जब पार्टी बचेगी

मोदी के सामने मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने रखी कर्नाटक की अहम मांगें

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और एक ज्ञापन सौंपकर केंद्र से सिंचाई, पेयजल आपूर्ति, बाढ़ मुआवज़ा, गन्ना मूल्य निर्धारण और रायचूर में एम्स की स्थापना के लंबे समय से लंबित अनुरोध से जुड़े लंबित मुद्दों पर कार्रवाई करने का आग्रह किया। मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए, सिद्धारमैया ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री से जल-संबंधी कई परियोजनाओं को मंजूरी देने में मदद करने का अनुरोध किया। उन्होंने समाथोलाना बैराज परियोजना के लिए मंजूरी मांगी और अनुरोध किया कि केंद्रीय जल आयोग को इस परियोजना की प्रगति के लिए आवश्यक निर्णय लेने का निर्देश दिया जाए। उन्होंने कृष्णा जल विवाद न्यायाधिकरण के दूसरे फैसले की राजपत्र अधिसूचना जारी करने की भी मांग की, जिस पर उन्होंने कहा कि एक दशक से कार्रवाई का इंतज़ार है। सिद्धारमैया ने केंद्र से भद्रा ऊपरी नहर परियोजना के लिए 5,300 करोड़ जारी करने का भी अनुरोध किया, जिसकी घोषणा पहले केंद्रीय बजट में की जा चुकी थी। गन्ना मूल्य पर सिद्धरमैया की मांग उत्तर कर्नाटक में गन्ना खरीद मूल्य में वृद्धि की मांग को लेकर किसानों के विरोध प्रदर्शन के बीच आई है।

मुख्यमंत्री ने मोदी को दिए ज्ञापन में बाढ़ राहत के लिए 2,100 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जारी करने तथा महत्वपूर्ण सिंचाई परियोजनाओं को मंजूरी देने समेत राज्य की कई पुरानी मांगों को उठाया। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया, ''केंद्रीय वित्तीय हस्तांतरण और आपदा निधि को लेकर राज्य की मौजूदा चिंताओं के बीच हुई इस मुलाकात में प्रधानमंत्री को सौंपे गए दस्तावेज में उल्लिखित पांच महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर चर्चा हुई।'' प्रधानमंत्री को दिए अपने ज्ञापन में, सिद्धरमैया ने गन्ना मूल्य निर्धारण संकट के लिए एक स्थायी समाधान की मांग की।

भाजपा सरकार हर तरह के भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रही : अखिलेश यादव

» सपा मुखिया बोले-भाजपा वाले पैसे बांटकर चुनाव लड़ते हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एकबार फिर भाजपा पर करारा वार किया है। सपा मुखिया ने कहा कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार, बेइमानी और लूट चरम पर है। भाजपा और उसकी सरकार हर तरह के भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रही है। संविधान और कानून का शासन खत्म हो गया। भाजपा की नीयत में खोट है। वह लोकतंत्र को बंधक बनाकर शासन करना चाहती है।

अखिलेश यादव ने जारी बयान में कहा कि भाजपा सत्ता और शासन तंत्र का दुरुपयोग कर रही है। पैसे बांटकर चुनाव लड़ती है। खुलेआम सांप्रदायिकता को बढ़ाने वाली भाषणबाजी करती है। भाजपा सरकार में फर्जी मुठभेड़ हो रही है। इन मामलों में कई जगह पुलिस वालों पर केस हो चुके हैं। जमीन पर अवैध कब्जे हो रहे हैं।

चुनावों में सरकारी मशीनरी का हुआ दुरुपयोग

मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि सपा ने लोकसभा चुनाव में भाजपा की डबल इंजन सरकारों को हराया है। लोकसभा चुनाव में भाजपा ऐसी-ऐसी सीटें हारी है, जिसकी कल्पना नहीं कर सकते हैं। भाजपा बिहार की जीत को समाजवादी पार्टी की यूपी की जीत से बराबरी नहीं कर सकती है। भाजपा ने उत्तर प्रदेश में भी सरकारी मशीनरी का बहुत दुरुपयोग किया है। बिहार विधानसभा चुनाव परिणाम को लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव में हार और जीत दोनों से सीख मिलती है। अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी व बिहार के लोग सबसे ज्यादा दूसरे राज्यों में परिवार से दूर रहते है। भाजपा सरकार पलायन रोकने के लिए काम नहीं कर रही। दस हजार रुपये देकर वोट ले लिया। अब जैसे दूसरे राज्यों में नियम बनाकर पैसा देना रोक दिया था, वैसे बिहार में भी करेंगे।

अवैध खनन और अवैध रूप से वन कटान चरम पर

उन्होंने कहा कि अवैध खनन और अवैध रूप से वन कटान हो रहा है। पुलिस हिरासत में मौतें हो रही है। संविधान को मिटाने का षड्यंत्र चल रहा है। झूठे दावों का बेशर्मी से प्रचार होता है। भाजपा सरकार आरक्षण को खत्म करने की चालबाजी कर रही है। भर्ती और नौकरी को खत्म करने की साजिश कर रही है।

राहुल गांधी मानहानि मामले की सुनवाई टली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» गवाह अनुपस्थित रहे, अगली सुनवाई 26 नवंबर को

सुल्तानपुर। रायबरेली सांसद राहुल गांधी से जुड़े मानहानि मामले की सुनवाई सुल्तानपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट में टल गई। राहुल गांधी के अधिवक्ता ने बताया कि गवाह राम चंद्र दुबे के अनुपस्थित रहने और स्थगन प्रार्थना पत्र देने के कारण कार्यवाही नहीं हो सकी। अब इस मामले की अगली सुनवाई 26 नवंबर को होगी।

यह मामला वर्ष 2018 का है। भाजपा नेता विजय मिश्रा ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था। मिश्रा, कोतवाली देहात के हनुमानगंज निवासी हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि 2018 के कर्नाटक चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष और वर्तमान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर अभद्र टिप्पणी की थी। इस मामले में पांच साल तक अदालती कार्यवाही चली। राहुल गांधी के पेश न होने पर दिसंबर 2023 में तत्कालीन जज ने उनके खिलाफ वारंट जारी किया था। फरवरी 2024 में राहुल गांधी ने कोर्ट में आत्मसमर्पण किया, जिसके बाद विशेष मजिस्ट्रेट ने उन्हें 25-25 हजार रुपये के दो मुचलकों पर जमानत दी। गत 26 जुलाई 2024 को राहुल गांधी ने कोर्ट में अपना बयान दर्ज कराया था। उन्होंने खुद को निर्दोष बताते हुए इस मामले को राजनीतिक साजिश करार दिया था। राहुल गांधी के बयान के बाद कोर्ट ने वादी को साक्ष्य प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था तब से लगातार गवाह पेश किए जा रहे हैं। अब तक केवल एक गवाह से जिरह पूरी हो पाई है, जबकि दूसरे गवाह से जिरह शुरू हुई है। अक्सर हड़ताल और गवाहों के अनुपस्थित रहने के कारण कार्यवाही में देरी हो रही है।

प्रदूषण रोकने में भाजपा सरकार नाकाम : देवेंद्र

» कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप पर घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने राजधानी में प्रदूषण और जनता से जुड़े अन्य गंभीर मुद्दों पर सुप्रीम कोर्ट के बार-बार हस्तक्षेप को भाजपा सरकार की विफलता और जनता के प्रति उसकी निष्क्रियता का प्रमाण बताया है। उन्होंने कहा कि यदि प्रदूषण नियंत्रण जैसे बुनियादी मामलों में सर्वोच्च न्यायालय को दखल देना पड़ रहा है, तो यह साफ संकेत है कि सरकारें अपनी जिम्मेदारी निभाने में असफल रही हैं।

यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए। इस कारण सर्दी शुरू होने से पहले ही दिल्ली में ग्रेप-4 लागू करना पड़ा है। पिछले सप्ताह सुप्रीम कोर्ट ने प्रदूषण पर गंभीर टिप्पणी करते हुए ग्रेप-4 लागू करने की सलाह दी थी, जबकि आज दिल्ली का एक्यूआई 600 के खतरनाक स्तर पर पहुंच चुका है, जिससे

जनस्वास्थ्य पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। देवेंद्र यादव ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में सुप्रीम कोर्ट को बार-बार दिल्ली के प्रमुख मुद्दे जल संकट, यमुना सफाई, वायु प्रदूषण, आवारा कुत्तों की समस्या और दिल्ली सरकार व केंद्र के बीच अधिकार विवाद पर हस्तक्षेप करना पड़ा है। इससे साबित होता है कि आम आदमी पार्टी और भाजपा सरकारें दिल्ली की जनता के स्वास्थ्य और बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में असफल रही हैं।

अभिषेक बनर्जी को हाईकोर्ट से राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जबलपुर। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सांसद भतीजे अभिषेक बनर्जी को हाईकोर्ट से राहत मिली है। हाईकोर्ट जस्टिस प्रमोद कुमार अग्रवाल की एकलपीठ ने उनके खिलाफ मानहानि के प्रकरण में एमपी-एमएलए कोर्ट भोपाल द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी है। एकलपीठ ने अनावेदक को नोटिस जारी करते हुए याचिका पर अगली सुनवाई 8 दिसम्बर निर्धारित की है।

गौरतलब है कि नवंबर 2020 में कोलकाता में आयोजित एक सभा में अभिषेक ने भाजपा के वरिष्ठ नेता कैलाश विजयवर्गीय के बेटे आकाश विजयवर्गीय को गुंडा कहा था। इसके कारण आकाश विजयवर्गीय ने 2021 में मानहानि का मामला दर्ज कराया था। इसकी सुनवाई एक मई 2021 से सुनवाई भोपाल की एमपी-एमएलए कोर्ट में चल रही है। पेशी पर लगातार उपस्थित नहीं होने के कारण एमपी-एमएलए कोर्ट ने अभिषेक के विरुद्ध 11 अगस्त और 26 अगस्त 2025 की तारीखों के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किया है।

भारत किसी भी कीमत पर करे शेख हसीना की सुरक्षा सुनिश्चित : सिंघवी

» कांग्रेस नेता ने की मोदी सरकार से अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने अपदस्थ बांग्लादेशी प्रधानमंत्री शेख हसीना को दी गई मौत की सज़ा पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है। सिंघवी ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि यह सज़ा एक ख़तरे की घंटी है और इस बात पर ज़ोर दिया है कि भारत को किसी भी कीमत पर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।

सिंघवी ने पूर्व अफ़ग़ान राष्ट्रपति नजीबुल्लाह के भाग्य से तुलना करते हुए कहा कि शेख हसीना सुरक्षा, स्थिरता और सहयोग के मामले में एक दृढ़ सहयोगी रही हैं और भारत को उनसे मुँह नहीं मोड़ना चाहिए। 78 वर्षीय हसीना पर उनकी अनुपस्थिति में मुकदमा चलाया गया, क्योंकि जुलाई 2024 में सत्ता से बेदखल होने के बाद से वे भारत में निर्वासित हैं और उन्हें मानवता के विरुद्ध अपराध करने के लिए मृत्युदंड दिया गया। इस बीच, बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को भारत से हसीना और देश के पूर्व

गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल को तुरंत प्रत्यर्पित करने की अपील की। बांग्लादेश ने दावा किया कि प्रत्यर्पण संधि के तहत भारत ऐसा करने के लिए बाध्य है। अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण के फैसले में फरार अभियुक्त शेख हसीना और असदुज्जमां खान कमाल को जल्लाही (जल्लाद) हत्याकांड का दोषी ठहराया गया है और सज़ा सुनाई गई है। अगर कोई भी देश मानवता के विरुद्ध अपराधों के इन दोषियों को शरण देता है, तो यह अत्यंत असहिष्णुतापूर्ण और न्याय के प्रति अवहेलनापूर्ण कृत्य होगा। हम भारत सरकार से अपील करते हैं कि वह इन दोनों दोषियों को तुरंत बांग्लादेशी अधिकारियों को सौंप दे। दोनों देशों के बीच विद्यमान प्रत्यर्पण संधि के अनुसार, यह भारत का भी एक अनिवार्य कर्तव्य है।

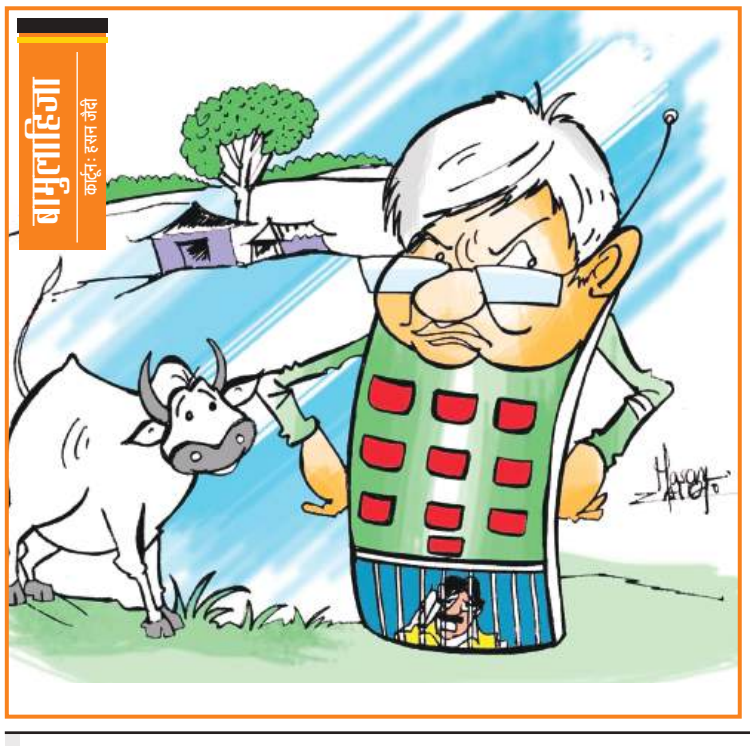

फिर लखनऊ नगर निगम की घोर लापरवाही

» नंबर प्लेट विहीन रोड सफाई मशीन ने मासूम को रौंदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में नगर निगम की घोर लापरवाही का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। ठाकुरगंज थाना क्षेत्र के बसंतकुंज ब्लॉक 65 स्थित प्रेरणा स्थल चौकी के निकट नगर निगम के लिए काम करने वाली एलएसए कंपनी की रोड सफाई मशीन ने सड़क पर खेल रहे एक मासूम बच्चे को टक्क र मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया।

दुर्घटनाग्रस्त मशीन पर नंबर प्लेट तक नहीं लगी थी, जिससे सरकारी ठेकों में नियमों के खुले उल्लंघन का पर्दाफाश हुआ है। दर्दनाक हादसा सोमवार दोपहर के समय हुआ, जब लगभग 5 वर्षीय मासूम अपने घर के पास सड़क पर खेल रहा था। तेज गति से आ रही रोड सफाई मशीन ने अचानक बच्चे को अपनी

चपेट में ले लिया और उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बच्चा लहूलुहान होकर सड़क पर गिर गया और दर्द से तड़पने लगा। हादसे के तुरंत बाद, मशीन का लापरवाह ड्राइवर मौके से फरार हो गया। मशीन को छोड़कर भागने से उसकी मंशा पर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों ने जब बच्चे की चीख-पुकार सुनी तो वे तत्काल घटनास्थल पर दौड़ पड़े थे। बिना देर किए घायल बच्चे को तुरंत नजदीकी कैरीयर हॉस्पिटल आईआईएम रोड पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने बच्चे की गंभीर स्थिति को देखते हुए तत्काल उपचार शुरू किया। प्रारंभिक जांच के बाद डॉक्टरों ने परिजनों को

> "लखनऊ स्वच्छता अभियान प्राइवेट लिमिटेड ने गहरा दु:ख व्यक्त करते हुए कहा कि यह हादसा अत्यंत पीड़ादायक है और कंपनी बच्चे तथा उसके परिवार के साथ खड़ी है। यह एक बेहद दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। बच्चे के उपचार में जो भी खर्च आएगा, उसकी समस्त जिम्मेदारी रू पूरी तरह से वहन करेगी। परिवार को किसी भी प्रकार की आर्थिक चिंता नहीं होने दी जाएगी। हमारी टीम लगातार अस्पताल और परिजनों के संपर्क में है तथा आवश्यक सभी सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। -एलएसए प्रोजेक्ट हेड अभय रंजन

सूचित किया कि बच्चे को लगी चोटें काफी गंभीर हैं, उसके पैर को काटने की आवश्यकता पड़ सकती है। इस खबर से पूरे क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों ने कहा कि नगर निगम और उसकी ठेका कंपनी, एलएसए दोनों की खुली लापरवाही है।

बिहार में विस चुनाव परिणाम के बाद अब उभर रहे सियासी घाव

लालू परिवार में बाहर आया भाई बहन का मनमुटाव

- राजग व महागठबंधन में सिर फुटौव्वल जारी
- भाजपा व उसके सहयोगियों का छलका दर्द
- नीतीश के सीएम पद से त्यागपत्र न देने से भी संशय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में चुनाव खत्म हो चुका है। भाजाप-जदयू की राजग गठबंधन की सरकार में शानदार वापसी कर चुकी है। नई सरकार बनने की कवायद भी आरंभ हो गई है। इन सबके बीच दोनों गठबंधनों में विवाद भी उठने लगें हैं। जहां महागठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी राजद के सुप्रीमो लालू प्रसाद के परिवार में बेटियों व भाई तेजस्वी में मनमुटाव सामने आ गया हैं वहीं हम के नेता मांझी ने सीट बंटवारें पर अपना दर्द बयां किया है। उधर सीएम नीतीश ने राज्यपाल से मुलाकात तो किया पर इतीपफा नहीं दिया। इस पर सियासी बयान बाजी प्रारंभ हो गई। कु छ लोगों का कहना है कि भाजपा की सबसे बड़ी पार्टी बनने से कहीं आने वाले समय सरकार चलाना मुश्किल न हो जाए। हालांकि राजग की ओर से इसको नकार दिया गया है।

उधर बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के नेतृत्व में नई सरकार की प्रक्रि या तेज हो गई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कैबिनेट की बैठक के बाद राज्यपाल इस्तीफा सौंपेंगे हालांकि उन्होने इस्तीफा सौंपा नहीं। सूत्रों ने कहा 20 नवंबर को शपथ ग्रहण समारोह होगा। नीतीश कुमार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। उनके समेत कुल 36 मंत्री नई सरकार में मंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। इसका फॉर्मूला तय हो चुका है। एनडीए के सभी घटक दल के नेता नीतीश कुमार से मुख्यमंत्री आवास पर जाकर मिल चुके हैं। नई सरकार में भारतीय जनता पार्टी और जनता दल यूनाईटेड से 16, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) से दो, हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा और राष्ट्रीय लोक मोर्चा से एक-एक मंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। 24 से 48 घंटे में सभी पार्टियां अपने-अपने मंत्रियों की सूची फाइनल कर लेगी। दरअसल, रविवार को पीएम नरेंद्र मोदी के एनडीए के वरिष्ठ नेताओं के साथ हुई थी। इसमें नई सरकार के रूपरेखा पर बातचीत हुई। इससे पहले गृह मंत्री अमित शाह के साथ जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा, केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की बैठक में किस पार्टी के कितने मंत्री होंगे? यह तय हो चुका है। इधर, एनडीए के घटक दल अपने-अपने विधायक दल के नेता चुनने की कवायत में लगे हैं। चिराग पासवान ने अपने दल का नेता राजू तिवारी को चुना है।

सीटों पर कंजूसी हुई, पर अनुशासन नहीं तोड़ा: मांझी

केंद्रीय मंत्री और हिंदुस्तान आवामी मोर्चा (सेक्युलर) के प्रमुख जीतन राम मांझी ने सोमवार को कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी को ज़्यादा सीटें देने के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में कंजूसी है, लेकिन उन्होंने इसका विरोध नहीं किया क्योंकि वह गठबंधन के भीतर अनुशासित हैं। उन्होंने कहा कि ज़्यादा सीटों की उनकी माँग भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) से मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल का दर्जा पाने की उनकी कोशिश से जुड़ी है, और बिना मान्यता के उन्हें कई जगहों पर अपमान का सामना करना पड़ता है। केंद्रीय मंत्री मांझी ने यहाँ संवाददाताओं से कहा कि हमारी पार्टी 10 साल से अस्तित्व में है, लेकिन हमें अभी तक मान्यता प्राप्त पार्टी नहीं मिली है; हम एक पंजीकृत पार्टी हैं, और इस

वजह से हमें कई जगहों पर अपमान का सामना करना पड़ता है। मान्यता न मिलने से अपनी पार्टी को होने वाले नुकसान के बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग कई पार्टियों को बैठकों के लिए बुलाता है, इसलिए हमें नहीं बुलाया जाता क्योंकि केवल मान्यता प्राप्त पार्टियों को ही बुलाया जाता है। फिर चुनाव के दौरान जो मतदाता सूचियाँ वितरित की गईं, वे बाकी सभी को मुफ़्त में मिल गईं, लेकिन हमें नहीं। उनके अनुसार, इन्हीं कारणों से, उन्होंने निर्धारित छह सीटों से ज़्यादा सीटों पर चुनाव लड़ने का आह्वान किया था, जिससे न्यूनतम वोट प्रतिशत की आवश्यकता पूरी हो सकती थी। उन्होंने कहा कि गठबंधन के भीतर वोट प्रतिशत की बात करें तो ज़्यादातर वोट प्रतिशत (गठबंधन में) भाजपा के पास है, और उसके बाद मेरे पास है। जनता हमें चाहती है, लेकिन सीटें देने में उन्होंने कंजूसी की, और हमने तब विरोध नहीं किया क्योंकि हम एक अनुशासित पार्टी हैं।

नीतीश कुमार के इस्तीफा ने देने पर चर्चा

बिहार में चुनावी नतीजों में भारतीय जनता पार्टी और जनता दल यूनाइटेड यानीजनतांत्रिक गठबंधन की की बंपर जीत के बाद गठबंधन दलों रिश्तों में विश्वास की कमी साफ दिख रही है। बिहार की राजनीति में ऐसा पहली बार हुआ जब बंपर जीत के बाद सीएम राज्यपाल से मिले तो न सरकार को भंग करने की सिफारिश की और न अपना इस्तीफा सौंपा। बल्कि राज्यपाल को ये जानकारी दी गई कि 19 नवंबर को इस्तीफा सौंपा जाएगा। राज्य सरकार की आखिरी कैबिनेट बैठक हो, उसमें मंत्रीमंडल को भंग करने का प्रस्ताव पारित हो, मुख्यमंत्री, राज्यपाल से राजभवन में मुलाकात करें लेकिन इस्तीफा न दें! केंद्र से लेकर राज्य सरकारों तक में यह परंपरा रही है कि चुनाव के नतीजे आने के बाद कैबिनेट की आखिरी बैठक के बाद प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री, राष्ट्रपति या राज्यपाल के पास जाते हैं. वह लोकसभा या विधानसभा को भंग करने की सिफारिश करते हैं। हालांकि बिहार में 17 नवंबर 2025 को यह परंपरा टूट गई. सीएम, राज्यपाल से मिले तो लेकिन इस्तीफे के लिए नहीं बल्कि यह बताने के लिए कि 19 नवंबर से विधानसभा विघटित यानी भंग होगी और तब तक वह मुख्यमंत्री रहेंगे।

चिराग ने बताए महागठबंधन की हार के कारण

दिल्ली में पीएम मोदी के साथ हुई बैठक में छह विधायकों पर एक मंत्री बनाने का फॉर्मूला तय हुआ है। इसके आधार पर जदयू के खाते में सीएम नीतीश कुमार समेत 16 मंत्री, भाजपा के खाते में दो डिप्टी सीएम समेत 16 मंत्री, लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के खाते में दो मंत्री पद देने की बात सामने आ रही है। हालांकि, चिराग की पार्टी के नेता अपने खाते में तीन मंत्री चाहते हैं। उनका कहना है कि अगर छह विधायकों के फॉर्मूले को मनाना है तो उस हिसाब से उनके 19 विधायक हैं। इसलिए तीन मंत्री का पद देना ज्यादा बेहतर होगा। राजनीतिक पंडितो का कहना है कि विधायकों की संख्या के आधार पर भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है। इसलिए वह दो सीएम सीएम समेत 16 मंत्री को शपथ दिला सकती है। वहीं जदयू को सीएम पद के साथ 15 मंत्री शपथ दिला सकते हैं। अगर जदयू 15 पर मान लेती है तो इसका फायदा चिराग को मिलेगा। इस स्थिति में चिराग की पार्टी में तीन मंत्री शपथ ले पाएंगे।

रोहिणी के दर्द पर चिराग पासवान हुए भावुक

राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद के परिवार में बढ़ते विवाद के बीच, केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने कहा कि वह रोहिणी द्वारा बताई गई भावनात्मक दरार को समझते हैं और प्रार्थना करते हैं कि उनके आंतरिक विवाद जल्द ही सुलझ जाएँ। पासवान ने संवाददाताओं से कहा कि राजनीतिक मतभेद एक बात है, लेकिन वह मेरा परिवार भी हैं। जब किसी परिवार में तनाव होता है, तो मैं समझ सकता हूँ कि यह कितना बेचैन करने वाला हो सकता है। पासवान ने कहा कि मैं नहीं मानता कि शादी के बाद, बेटी के लिए ससुराल ही एकमात्र घर होता है। मैं इस रूढ़िवादी सोच का समर्थन नहीं

करता। कल जब उन्होंने यह सब कहा, तो मैं उस दर्द को समझ सकता था और मैं प्रार्थना करता हूँ कि यह सब जल्द ही सुलझ जाए। पासवान ने कहा कि मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करूँगा क्योंकि मैं समझ सकता हूँ कि जब कोई परिवार ऐसी मुश्किल परिस्थिति से गुज़रता है तो उसकी मानसिक स्थिति कैसी होती है। मैं भी इससे गुज़रा हूँ। हमारे बीच राजनीतिक मतभेद रहे होंगे, लेकिन मैंने लालू जी के परिवार को हमेशा अपना माना है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि चाहे तेजस्वी हों, तेज हों, मीसा हों या रोहिणी, मैंने उन्हें अपना भाई-बहन माना है। इसलिए मैं प्रार्थना करता हूँ कि यह पारिवारिक विवाद जल्द से जल्द सुलझ जाए। अगर परिवार में एकता है, तो व्यक्ति बाहर भी मुश्किल परिस्थितियों से लड़ सकता है... परिवार ज़रूर मुश्किल हालात से गुज़र रहा होगा। उनकी यह टिप्पणी रोहिणी आचार्य द्वारा राजनीति छोड़ने और अपने परिवार से अलगाव की घोषणा के एक दिन बाद आई है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

सड़क पर खड़े करने वालो वाहनों पर लगे रोक

पूरे देश में सड़क किनारे अतिक्रमण व इधर उधर खड़े वाहनों को लेकर सरकारों की अनदेखी को देखते हुए अदालत को दखल देना पड़ा। दरअसल इन वाहनों की वजह कई लोग जान गवां देते है। सुप्रीम कोर्ट ने इस दौरान हाईवे के किनारे अवैध ढाबों पर भी चिंता जताई। कहा कि इन ढाबों पर आने वालों की गाड़ियां हाईवे पर खड़ी रहती हैं, जिनसे हादसे होते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण यानी एनएचएआई और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से सड़क किनारे मौजूद ढाबों और सड़क मेंटेनेंस की स्थिति पर रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया। जस्टिस जे.के. महेश्वरी और जस्टिस विजय विश्नोई की बेंच ने कहा कि दो सप्ताह के भीतर एक सर्वे कराया जाए, जिससे यह पता चल सके कि कितने ढाबे राजमार्गों के किनारे ऐसे क्षेत्रों में बनाए गए हैं जो इस तरह की सुविधाओं के लिए अधिसूचित नहीं है यानी अवैध ढाबों के बारे में जानकारी देने को कहा गया है।

यातायात के नियमों के मुताबिक, हाईवे के किनारे सड़क पर ट्रक व अन्य वाहन खड़े नहीं किए जा सकते हैं। शीर्ष न्यायालय की टिप्पणी के आलोक में बात की जाए तो इसमें कोई दो राय नहीं है कि विकास के नाम पर हमने सरपट वाहन दौड़ने वाली सड़कें तो बना दी, लेकिन यह सुनिश्चित नहीं किया कि यात्रा दुर्घटनाओं से निरापद कैसे रहे। यह हृदय विदारक होता है कि सड़कों के निर्माण में तकनीकी खामियों, ट्रकों की अराजकता तथा राजमार्ग के अवरोधों के चलते परिवार के परिवार असमय काल कवलित हो जाते हैं। जिम्मेदार विभाग और सरकार की चतुराई यह होती है कि वह समस्या के मूल में जाने की बजाय जांच और फौरी कार्रवाई में लग जाता है। इन हादसों की जवाबदेही तय नहीं की जाती। हर हादसे के बाद पुरानी तंत्र पुरानी स्क्रिप्ट को दोहराता है। देश भर में नेशनल हाईवे व शहर के अंदर व आउटर में संचालित होटलों, ढाबों के किनारे भारी वाहन चालकों द्वारा यातायात नियमों की अनदेखी करते हुए रोड पर जहां-तहां वाहनों को खड़ा कर दिया जाता है। सड़क किनारे खड़े ऐसे वाहन अन्य वाहन चालकों और यात्रियों के लिए यमदूत साबित हो रहे हैं। बीती 10 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान के फालौदी और तेलंगाना के श्रीकाकुलम के सड़क हादसों में 37 लोगों की मौत पर सुओ मोटो कार्रवाई करते हुए सड़क सुरक्षा की गंभीर खामियों पर चिंता जताई है।

जस्टिस जे.के. महेश्वरी और जस्टिस विजय विश्नोई की बेंच ने कहा कि दो सप्ताह के भीतर एक सर्वे कराया जाए, जिससे यह पता चल सके कि कितने ढाबे राजमार्गों के किनारे ऐसे क्षेत्रों में बनाए गए हैं जो इस तरह की सुविधाओं के लिए अधिसूचित नहीं है यानी अवैध ढाबों के बारे में जानकारी देने को कहा गया है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

तिरस्कार से मतदाता ने दिया विपक्ष को संदेश

ज्योति मल्होत्रा

बिहार में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए की जीत, तेजस्वी यादव के राजद को सजा और कांग्रेस पार्टी का सफाया निश्चित तौर पर तय था। एक और बात स्पष्ट है। राहुल गांधी को कोलंबिया जाकर बस जाना चाहिए या किसी अन्य दक्षिण अमेरिकी देश में, जहां वे बिहार चुनाव प्रचार के बीच सफेद कुर्ता-पायजामा और काली बंडी जैकेट में फबकर घूमते दिखाई दिए थे। हिंदी में और पंजाबी में भी- एक शब्द है बिहारी, इसका अभिप्राय उपेक्षित से कुछ अधिक और हेय से कुछ कम लिया जाता है, गत सप्ताह की शुरुआत में कांग्रेस के खिलाफ वोट देते वक्त यह मतदाताओं के मन में जरूर रहा होगा। तिरस्कार। हिकारत। हमें हल्के में मत लीजिए। यदि आप ऐसा करेंगे तो हम आपको आपकी जगह दिखा देंगे, एक ऐसी पार्टी को वोट देकर, जिसके बारे में हमने शायद सोचा हो या नहीं भी। बिहार में, मतदाता कांग्रेस -यानी राहुल गांधी- के प्रति इतनी गुस्से से भर गए कि उन्होंने इस सबसे पुरानी पार्टी को छह सीटों तक सीमित कर दिया। डेढ़ साल पहले हुए लोकसभा चुनावों के बाद से यह कांग्रेस की लगातार चौथी हार है - हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली के बाद। भारतीय राजनीति की त्रासदी यह है कि राहुल को जवाबदेह होने, दक्षिण अमेरिका न जाने या दीवार पर लिखी इबारत को समझना मंजूर नहीं है -यह कि उन्हें पद छोड़ देना चाहिए और खुद अपनी पार्टी में लोकतंत्र की उस हवा को बहने देना चाहिए, जिसके बारे में बात करना उन्हें बहुत पसंद है। पंजाब और जम्मू-कश्मीर, दोनों सूबों में लोगों ने कुछ गढ़ हिला दिए हैं - और सत्तारूढ़ आप और नेशनल कॉन्फ्रेंस को स्पष्ट चेतावनी दे दी है। तरनतारन और बडगाम, दोनों जगहों पर मतदाताओं ने कहा है कि हमें हल्के में मत लीजिए। तरनतारन में, जो गर्म राजनीति का केंद्र रहा है, नाराज पंजाबी मतदाता ने अपने कुछ संदेश भेजे हैं। पहला, उन्होंने राज्य में विधानसभा चुनावों से 15 महीने पहले सत्तारूढ़ 'आप' को चेतावनी संकेत दे दिया है। दूसरा, 'आप' उम्मीदवार जीत तो गया, लेकिन अकाली दल के प्रत्याशी ने उसे करारी टक्कर दी है - भले ही इस पर एक राय न हो कि पंजाब की राजनीति में क्या इसे अकाली दल की वापसी माने या नहीं, क्योंकि पार्टी ने 2020 में केंद्र सरकार द्वारा कृषि कानून लागू करने पर, एनडीए से नाता तोड़ने के बाद से, अपना जादू खो दिया है, 2022 के विधानसभा चुनावों में अकाली दल ने केवल तीन सीटें जीतीं थीं, तो 2024 के लोकसभा चुनावों में सिर्फ एक सीट

पर सिमट गई और तब से गुटबाजी में घिरी हुई है। तीसरा, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि अकाली उम्मीदवार सुखविंदर कौर ने अलगाववाद परस्त राजनीतिक संगठन 'वारिस पंजाब दे' (डब्ल्यूपीडी) द्वारा समर्थित उम्मीदवार को पीछे छोड़ दिया - उसका प्रत्याशी तीसरे स्थान पर रहा। सनद रहे, डेढ़ साल पहले ही खालिस्तान समर्थक डब्ल्यूपीडी ने लोकसभा में दो सीटें जीती थीं - एक पर इंदिरा गांधी के हत्यारे का बेटा विजयी रहा, जबकि दूसरी सीट का विजेता विद्रोह के प्रयास के लिए जेल में है। अगर तरनतारन अब मध्यमार्ग की लीक पर लौट रहा है, तो अकाली दल निश्चित रूप से दोहरी श्लाघा और पीठ थपथपाने का हकदार है। चौथा, तरनतारन ने कांग्रेस के साथ घोर अपमानजनक भरा बर्ताव किया है - जिसके ओहदेदारों को यकीन है कि वे उस राजगद्दी के नैसर्गिक हकदार हैं, जब पंजाब के लोग बहुत जल्द 'आप' को विदा कर देंगे। फर्क सिर्फ इतना है कि जहां कांग्रेस उम्मीदवार की जमानत जब्त हुई वहीं भाजपा पांचवें स्थान पर रही, इस तसल्ली के साथ कि हमने भी दौड़ में हिस्सा लिया। फिर एक संदेश बडगाम से आया है, जहां से जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पिछले सितंबर में गांदेरबल निर्वाचन क्षेत्र के साथ जीत हासिल की थी - उन्होंने बडगाम खाली किया था, जिसकी वजह से वहां उपचुनाव करवाया गया। स्पष्टत: सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस के भीतर सब कुछ ठीक नहीं है। अब्दुल्ला को सजा इसलिए मिली है क्योंकि इस केंद्र शासित प्रदेश को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने की लोगों की उम्मीदों को वे पूरा नहीं कर पाए हैं - भले ही यह करना उनके हाथ में न होकर केंद्र सरकार के हाथ में है। अब्दुल्ला को इस तथ्य की कीमत चुकानी पड़ी है कि वास्तव में वह केवल अधूरे मुख्यमंत्री हैं, लेकिन फिर भी मुख्यमंत्री की कुर्सी चाहते हैं। मतदाताओं द्वारा दिखाया यह निष्ठुर रवैया प्रधानमंत्री मोदी की भाजपा और नीतीश कुमार की जदयू को मिली जबरदस्त तालियों के बिल्कुल उलट है। विश्लेषकों ने एनडीए की अभूतपूर्व जीत का श्रेय न सिर्फ महिलाओं को, बल्कि मतदाताओं को बड़े पैमाने पर किए नकद हस्तांतरण को दिया है - जन सुराज पार्टी नेता पवन के वर्मा ने बताया कि भाजपा शासित केंद्र ने आचार संहिता लागू होने से कुछ घंटे पहले ही 30,000 करोड़ रुपये लोगों के खाते में डाले, जो एक बेहद गरीब राज्य के लिए एक बहुत बड़ी रकम है।

दोष दृष्टि से पर्दा उठाती हैं सकारात्मक भावनाएं

रेणु सैनी

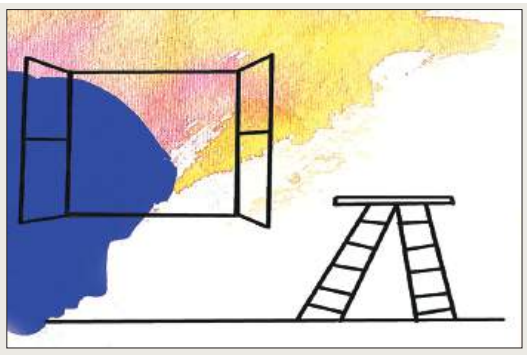

दरअसल दोषदृष्टि और दूरदृष्टि दोनों में भावनात्मक सोच प्रमुख भूमिका निभाती है। अगर किसी की सोच निम्न स्तर की होती है तो फिर विवाद उत्पन्न होने का खतरा होता है। इस खतरे से बचने का सबसे सरल उपाय यही है कि अपनी सोच को सकारात्मक बनाया जाए।

अनेक प्रसिद्ध विचारकों ने दोषदृष्टि पर अपने-अपने विचार प्रकट किए हैं। सभी का यह मानना है कि दोषदृष्टि एक नकारात्मक दृष्टिकोण है। जो व्यक्ति दूसरों को इस नजरिए से देखता है, उसका स्वयं भी पतन हो जाता है। कहा गया है कि, 'परदोषेण मत्सर्यं न कर्तव्यं कदाचन।' अर्थात दूसरों के दोष देखकर निंदा नहीं करनी चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति स्वयं की उन्नति चाहता है। विरले लोग ही ऐसे होते हैं जो दूसरों के दोषों को दूर रखने की दूरदृष्टि रखते हुए उनमें सुधार करते हैं। वर्तमान समय में झगड़े, तनाव, बीमारियों की जड़ दोषदृष्टि ही है। प्रत्येक व्यक्ति का किसी को देखने-समझने का नजरिया अलग-अलग होता है। उसी आधार पर वह दूसरे की छवि अपने मन-मस्तिष्क में बना लेता है। लोग भी अपनी सोच और विचारों को विस्तार देने के बजाय इन ऊपरी बातों में उलझ कर समय और ऊर्जा का व्यय करते हैं।

एक बहुत सरल उदाहरण से प्रत्येक व्यक्ति दोषदृष्टि में न उलझकर दूरदृष्टि अपनाकर स्वयं का एवं दूसरों का जीवन सुखी कर सकता है। हमारी आंखों के समक्ष एक नेत्रहीन व्यक्ति आ जाता है, वह सड़क पार करने लगता है और चीजों से टकराने लगता है, यदि हम वहां उपस्थित होते हैं तो भागकर उसकी सहायता करते हैं। हाथ पकड़कर प्रेम से नेत्रहीन व्यक्ति को सही राह दिखाते हैं। हमें उससे कोई शिकायत नहीं होती, अपितु हम उस पर करुणा ही प्रदर्शित करते हैं कि नेत्रहीन होने के कारण वह लाचार है और उसे सहायता की आवश्यकता है। ठीक ऐसी ही सोच हम उस व्यक्ति के साथ क्यों नहीं अपनाते जो दोषदृष्टि का शिकार है और दूसरों के कार्यों एवं व्यक्तित्व पर दोषारोपण करता है। हम उससे लड़ने बैठ जाते हैं और शांति एवं सुख का हनन कर बैठते हैं। संबंधों में भी तनाव आ जाता है। क्या पता उसकी निंदा या बुराई पर तुरंत टिप्पणी न कर भविष्य में हम एक अच्छा मित्र पा लें।

अब्राहम लिंकन के कार्यों एवं उनका नाम इतिहास के स्वर्णाक्षरों में अंकित है। इसके पीछे प्रमुख कारण यही है कि उन्होंने दोषदृष्टि में न उलझकर हमेशा दूरदृष्टि से काम लिया। उनके जीवन के इस प्रसंग से यह बात बखूबी स्पष्ट हो जाती है। एक बार एडविन स्टैंटन को अब्राहम लिंकन ने युद्धमंत्री बना दिया था, जबकि स्टैंटन लिंकन को कदम-कदम पर अपमानित करते थे। उनकी इस नियुक्ति से सभी दंग रह गए थे। एक बार एक सांसद ने राष्ट्रपति लिंकन को समझा बुझा कर किसी रेजीमेंट के एक जगह से दूसरी जगह तबादले का आदेश पत्र प्राप्त कर लिया। इसे लेकर वह सीधा स्टैंटन के पास पहुंचा। आदेश पत्र देखकर भी स्टैंटन ने साफ इंकार कर दिया और बोले, 'वे ऐसा बिल्कुल नहीं करेंगे।' 'लेकिन मेरे पास राष्ट्रपति का आदेश है,' उस राजनीतिक ने प्रतिवाद किया।

इस पर युद्धमंत्री बोले, 'अगर राष्ट्रपति आपको इस तरह के आदेश जारी करते हैं तो वे पक्के बेवकूफ हैं।' यह सुनकर वह सांसद वापस लिंकन के पास इस उम्मीद में लौटा कि अपना अपमान सुनकर वे गुस्से से भर जाएंगे और स्टैंटन को बुरा-भला कहेंगे, उसकी निंदा करेंगे और उसे बर्खास्त कर देंगे। लेकिन जब सांसद पूरी कहानी सुना चुका तो लिंकन की आंखों में हल्की सी चमक आई और वह बोले, 'अगर स्टैंटन ने ऐसा कहा है तो ठीक ही कहा होगा, क्योंकि वे हमेशा सही कहते हैं। मैं जाऊंगा और उनसे खुद मिलूंगा।' इसके बाद जब वे स्टैंटन से मिले तो उन्होंने उन्हें यकीन दिला दिया कि लिंकन का निर्णय सही नहीं था। यह जानकर तो लिंकन स्टैंटन से बेहद प्रभावित हो गए और बोले, 'मुझे गर्व है कि तुम अपने कार्य को बहुत ही गंभीरता और कुशलता से करते हो।'

इस तरह लिंकन की दूरदृष्टि से देश को स्टैंटन जैसा कुशल युद्धमंत्री मिला। अगर लिंकन स्टैंटन से अपने बारे में सुनी गई निंदा से व्यथित हो जाते तो वे महानायक न कहलाते। दरअसल दोषदृष्टि और दूरदृष्टि दोनों में भावनात्मक सोच प्रमुख भूमिका निभाती है। जहां व्यक्तियों की सोच भावनात्मक रूप से समान होती है, वहां मामले सुलझ जाते हैं, वहीं अगर किसी की सोच निम्न स्तर की होती है तो फिर विवाद उत्पन्न होने का खतरा होता है। इस खतरे से बचने का सबसे सरल उपाय यही है कि अपनी सोच को सकारात्मक बनाया जाए। ऐसा करके व्यक्ति अपने उच्च विचारों से समस्या को टाल सकता है। भावनाएं ही शब्दों के माध्यम से व्यक्त होती हैं। यदि व्यक्ति की भावनाओं में सकारात्मकता होती है तो वह दोषदृष्टि को नजरअंदाज कर देता है और दूरदृष्टि से निर्णय लेकर अपने एवं दूसरे के जीवन को सुखमय एवं शांतिपूर्ण बनाता है। शब्द भावों की सवारी करते हैं। भावनाएं निरंतर अच्छा सुनने, कहने और पढ़ने से सकारात्मक होती हैं। सकारात्मक भावनाएं व्यक्ति की आंखों से दोषदृष्टि का पर्दा उठाती हैं और उसे दूरदृष्टि का स्वामी बनाती हैं। दूरदृष्टि से कार्य करने वाला व्यक्ति अपने अच्छे कार्यों की छाप दूर तक छोड़ता है।

चेहरे को युवा बनाए रखने के लिए करें ये

फेस योग

बढ़ती उम्र में त्वचा को हेल्दी और युवा बनाए रखना भी एक बड़ी चुनौती है, खासकर वर्तमान जीवन-शैली में। इस स्थिति में त्वचा को टाइट और युवा रखने के लिए नियमित रूप से कुछ फेस योगासनों का अभ्यास फायदेमंद साबित होता है। खास बात यह कि इन फेस योगासनों के लिए किसी भी खास उपकरण की आवश्यकता नहीं होती। आप इन आसनों को किसी भी समय और कहीं भी कर सकती हैं। असल में, फेस योग एक प्रकार की योग प्रैक्टिस है, जिसमें चेहरे की मांसपेशियों को मजबूत और टोन करने के लिए विशेष अभ्यास किए जाते हैं। ये योगासन त्वचा को निखारने, झुर्रियों को कम करने और चेहरे पर प्राकृतिक चमक लाने में मदद करते हैं। फेस योग में विभिन्न प्रकार के चेहरे के व्यायाम, मुद्रा और श्वास तकनीक शामिल होती हैं, जो चेहरे की मांसपेशियों को सख्त करती हैं और रक्त संचार को बेहतर बनाती हैं।

अनुलोम-विलोम

अनुलोम-विलोम एक ऐसा प्राणायाम है, जिसको कोई भी सामान्य व्यक्ति आसानी से कर सकता है। इसके लिए कमर और गर्दन को सीधा रखते हुए बैठें। प्राणायाम किसी भी एक नासिका से शुरू किया जा सकता है, मगर सही तरह से करने के लिए सर्वप्रथम दाहिनी नासिका को बंद करें और बाईं नासिका से सांस भरें। फिर उंगलियों से बाईं नासिका को बंद करें और दाहिनी नासिका को खोलकर सांस छोड़ दें। जिस तरफ से आप सांस को छोड़ती हैं, उसी तरफ से फिर से भरें और दूसरी तरफ से उंगलियों को हटाते हुए सांस को छोड़ें। इस क्रिया को 15 से 50 बार तक किया जा सकता है, परंतु ध्यान रखें कि जितनी क्षमता है, उतना ही करें और धीरे-धीरे अभ्यास को बढ़ाती जाएं। यह स्वास्थ्य को बेहतर करेगा, ऑक्सीजन लेवल को मेंटेन करेगा और स्वस्थ बनाए रखने में मदद करेगा, जिसका सीधा असर त्वचा पर दिखाई देगा।

भुजंगासन

भुजंगासन और सर्पासन से चेहरे की त्वचा को कई लाभ मिलते हैं। ये आसन गर्दन, सिर और चेहरे की मांसपेशियों में खिंचाव लाते हैं और त्वचा को टोन करते हैं, जिससे त्वचा पर निखार आता है। ये आसन तनाव को कम करते हैं, जिससे त्वचा पर मौजूद दाग-धब्बे और मुंहासे कम होते हैं। इसके अलावा भुजंगासन और सर्पासन त्वचा की कसावट को बनाए रखते हैं तथा झुर्रियों के बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करते हैं। भुजंगासन करने के लिए पेट के बल लेट जाएं। दोनों हाथों को चेस्ट के पास रखें, दोनों पैरों को पीछे मिलाएं और शरीर के ऊपरी हिस्से को उठाएं। फिर कोहनी को सीधा रखते हुए हल्का-सा गर्दन को ऊपर रखें। गर्दन के ऊपर होने से डबल चिन की समस्या खत्म होती है और चेहरे एवं गर्दन की त्वचा कसी नजर आती है। साथ ही स्पाइन भी मजबूत होती है। अब सर्पासन करने के लिए उल्टा लेट जाएं, दोनों हाथों को कमर के ऊपर बांध लें और आगे की तरफ से सिर को उठाएं। पीछे से दोनों पैरों को भी उठाएं और हाथों को भी खिंचाव दें। यह आसन त्वचा को हेल्दी रखने में मदद करता है।

शशांकासन

शशांकासन चेहरे के लिए बहुत फायदेमंद है। इस आसन को करने से चेहरे की त्वचा पर रक्त संचार बढ़ता है, जिससे त्वचा में निखार आता है और चमक दिखाई देने लगती है। सबसे अहम है कि शशांकासन से चेहरे की मांसपेशियों की कसावट में सुधार होता है, जिससे चेहरे की झुर्रियां और फाइन लाइन कम होती हैं। इस आसन को करने के लिए आप वज्रासन में बैठकर दोनों हाथों को ऊपर उठाएं और सामने की तरफ पूरी तरह झुक जाएं, जिससे दोनों हाथ सामने रहेंगे और माथा जमीन से टच करेगा।

मंडूकासन

मंडूकासन जो त्वचा को हेल्दी, यंग और ग्लोइंग रखने में मदद करता है। मंडूकासन को करने के लिए सबसे पहले आप वज्रासन की स्थिति में बैठ जाएं। दोनों हाथों की हथेलियों को नाभि पर रखते हुए सामने की तरफ झुक जाएं, जितना झुक सकती हैं, लेकिन गर्दन को थोड़ा ऊपर ही रखें। थोड़ी देर इसी मुद्रा में रहें और फिर धीरे-धीरे सामान्य स्थिति में वापस आ जाएं। मंडूकासन की इस प्रक्रिया को तीन से चार बार दोहराएं। ध्यान दें कि मंडूकासन पेट के लिए अधिक फायदेमंद होता है। अगर आपको इस आसन के त्वचा पर लाभ देखने हैं तो नीचे झुकते हुए गर्दन को ऊपर की ओर ही रखें। अगर आप ऐसा नहीं करेंगी तो चेहरे की मांसपेशियों की एक्सरसाइज नहीं हो पाएगी। मंडूकासन से चेहरे की मांसपेशियों में खिंचाव आता है और वहां मौजूद त्वचा में रक्त का प्रवाह बेहतर होता है, जिससे त्वचा में ताजगी आती है, निखार मिलता है, प्राकृतिक चमक बढ़ती है और झुर्रियां कम होती हैं।

हंसना मना है

दादी को गीता पढ़ते देख पोते ने अपनी मां से पूछा, मां दादी कौन सी परीक्षा की तैयारी कर रही हैं? मां - बेटा ये फाइनल ईयर की तैयारी कर रही हैं?

एक बार एक Collector, एक SP, एक मंत्री और एक शिक्षाकर्मी बैठे बातें कर रहे थे। Collector- हम तो इलाके के मालिक होते हैं। जिससे जो मर्जी करवा लें। S P- हम जिसे चाहें अंदर करके ठोक दें। हमारा भी बड़ा रौब होता है। Minister- हमारा तो जलवा है बॉस। हम चाहे कुछ भी करें, कोई माई का लाल कुछ नहीं बोल सकता। शिक्षाकर्मी- हमारा तो जी कोई रौब नहीं होता। सारा दिन बच्चों को मुर्गा बना के कूटते हैं। आगे उनकी की मर्जी, Collector बनें, S P बनें, या नेता।

दो चूहे पेड़ पर बैठे थे, नीचे से एक हाथी गुजरा। एक चूहा हाथी पर गिर गया। तभी दूसरा चूहा बोला, दबा कर रख साले को, मैं भी आता हूं।

सात साधु सात चटाई पर बैठे थे, आश्रम में, एक आदमी आया और सबसे बड़े साधु से पूछा- बाबा, बीवी कंट्रोल नहीं होती क्या करूं? साधु (छोटे साधु से) -एक चटाई और लगा भाई के लिए?

कहानी — धोबी का गधा

किसी एक गांव में एक धोबी अपने गधे के साथ रहता था। वह रोज सुबह अपने गधे के साथ लोगों के घरों से गंदे कपड़े लाता और उन्हें धोकर वापस दे आता। यही उसका दिनभर का काम था और इसी से उसकी रोजी-रोटी चलती थी। गधा कई सालों से धोबी के साथ काम कर रहा था और समय के साथ-साथ अब वह बूढ़ा हो गया था। बढ़ती उम्र ने उसे कमजोर बना दिया था, जिस वजह से वह ज्यादा कपड़ों का वजन नहीं उठा पाता था। एक दोपहर, धोबी अपने गधे के साथ कपड़े धोने धोबी घाट जा रहा था। धूप तेज थी और गर्मी की वजह से दोनों की हालत खराब हो रही थी। गर्मी के साथ-साथ कपड़ों के अधिक वजन के कारण गधे को चलने में परेशानी हो रही थी। वो दोनों घाट की तरफ जा ही रहे थे कि अचानक गधे का पैर लड़खड़ाया और वह एक गहरे गड्ढे में गिर गया। अपने गधे को गड्ढे में गिरा देख धोबी घबरा गया और उसे बाहर निकालने के लिए जतन करने लगा। बूढ़ा और कमजोर होने के बावजूद, गधे ने गड्ढे से बाहर निकलने में अपनी सारी ताकत लगा दी, लेकिन गधा और धोबी दोनों नाकामयाब रहे। धोबी को इतनी मेहनत करते देख कुछ गांव वाले उसकी मदद के लिए पहुंच गए, लेकिन कोई भी उसे गड्ढे से बाहर नहीं निकाल पाया। तब गांव वालों ने धोबी से कहा कि गधा अब बूढ़ा हो गया है, इसलिए समझदारी इसी में है कि गड्ढे में मिट्टी डालकर उसे यहीं दफना दिया जाए। थोड़ा मना करने के बाद, धोबी भी इस बात के लिए राजी हो गया। गांव वालों ने फावड़े की मदद से गड्ढे में मिट्टी डालना शुरू कर दिया। जैसे ही गधे को समझ आया कि उसके साथ क्या हो रहा है, तो वह बहुत दुखी हुआ और उसकी आंखों से आंसू निकलने लगे। गधा कुछ देर चिल्लाया, लेकिन कुछ देर बाद वह चुप हो गया। अचानक धोबी ने देखा कि गधा एक विचित्र हरकत कर रहा है। जैसे ही गांव वाले उस पर मिट्टी डालते, वह अपने शरीर से मिट्टी को नीचे गड्ढे में गिरा देता और उस मिट्टी के ऊपर चढ़ जाता। ऐसा लगातार करते रहने से गड्ढे में मिट्टी भरती रही और गधा उस पर चढ़ते हुए ऊपर आ गया। अपने गधे की इस चतुराई को देखकर धोबी की आंखों में खुशी के आंसू आ गए और उसने गधे को गले से लगा लिया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — मेहनत का फल मिलेगा। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से परिचय बढ़ेगा।

वृषभ — दूर से सुखद सूचना मिल सकती है। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। लाभ बढ़ेगा।

मिथुन — नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति पर व्यय होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

कर्क — पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं।

सिंह — परिवार तथा मित्रों के साथ कोई मनोरंजक यात्रा का आयोजन हो सकता है। रुका हुआ पैसा मिलने का योग है। मित्रों के सहयोग से कार्य पूर्ण होंगे। समय अनुकूल है।

कन्या — कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। योजना फलीभूत होगी। कारोबार में वृद्धि पर विचार हो सकता है। नौकरी में अधिकारीगण प्रसन्न रहेंगे। मातहतों का सहयोग मिलेगा।

तुला — किसी धार्मिक स्थल की यात्रा की आयोजना हो सकती है। सत्संग का लाभ मिलेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी। धन प्राप्ति में बाधाएं दूर होंगी।

वृश्चिक — चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। लापरवाही न करें। किसी व्यक्ति से व्यर्थ विवाद हो सकता है। मानसिक क्लेश होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

धनु — जल्दबाजी से काम बिगड़ेंगे तथा समस्या बढ़ सकती है। विरोध होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। बाहर जाने की योजना बनेगी। नौकरी में चैन रहेगा।

मकर — भूमि, भवन, दुकान, शोरूम व फैक्टरी इत्यादि की खरीद-फरोख्त हो सकती है। बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे।

कुम्भ — कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। कोई मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा।

मीन — दूसरे से अधिक अपेक्षा करेंगे। जल्दबाजी से काम में बाधा उत्पन्न होगी। दौड़धूप अधिक रहेगी। बुरी सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। बनते कामों में देरी होगी।

बॉलीवुड | ठगी का आरोप

डायरेक्टर विक्रम भट्ट के खिलाफ मामला दर्ज

उदयपुर के एक डॉक्टर ने आरोप लगाया है कि फिल्म डायरेक्टर विक्रम भट्ट ने फिल्मों में निवेश का लालच देकर उनसे 30 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी की। डॉक्टर का कहना है कि उन्हें बताया गया कि फिल्मों की रिलीज के बाद वे 200 करोड़ रुपये तक कमा लेंगे। इसी दावे के आधार पर उन्होंने कथित तौर पर फिल्मों के निर्माण के लिए धन उपलब्ध कराया, जिनमें उनकी दिवंगत पत्नी पर आधारित एक प्रस्तावित बायोपिक भी शामिल थी। डॉक्टर की शिकायत पर 8 नवंबर को भूपालपुरा थाने में एक मामला दर्ज किया गया। एफआईआर में विक्रम भट्ट, उनकी पत्नी श्वेताम्बरी भट्ट, उनकी बेटी कृष्णा भट्ट, स्थानीय व्यक्ति दिनेश कटारिया और अन्य लोगों के नाम शामिल हैं। शिकायत के अनुसार दिनेश कटारिया से डॉक्टर की मुलाकात एक म्यूजिक ग्रुप के माध्यम से हुई थी, जिसने खुद को मुंबई फिल्म उद्योग से जुड़ा बताया था। अप्रैल 2024 में डॉक्टर मुंबई स्थित एक स्टूडियो भी गए, जहां कटारिया ने उनकी मुलाकात विक्रम भट्ट से करवाई। पुलिस के अनुसार शिकायत में उल्लेख है कि डायरेक्टर ने डॉक्टर को आश्वासन दिया था कि वे संपूर्ण फिल्म निर्माण प्रक्रिया खुद संभालेंगे और डॉक्टर से लगातार फंड भेजने को कहा गया। डॉक्टर का आरोप है कि इसी बहाने उनके साथ 30 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी की गई। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है और पूरे प्रकरण की जांच चल रही है। फिलहाल पुलिस आरोपों की सत्यता और वित्तीय लेनदेन से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है।

11वें दिन लाखों में सिमटी 'हक' की कमाई अभी तक हुआ कुल 17 करोड़ का कलेक्शन

इमरान हाशमी और यामी गौतम की फिल्म 'हक' अपने दूसरे हफ्ते में बनी हुई है। फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर 11 दिन पूरे हो चुके हैं। हालांकि, 11 दिन बाद अब फिल्म की कमाई लाखों में सिमट चुकी है।

यामी गौतम और इमरान हाशमी की फिल्म 'हक' की अब दूसरे सोमवार की भी कमाई सामने आ गई है। खबर लिखे जाने तक फिल्म ने 11वें दिन अपने दूसरे सोमवार को सिर्फ 24 लाख रुपए की ही कमाई की है। इसके साथ ही फिल्म का कुल कलेक्शन 11 दिनों में सिर्फ 17.19 करोड़ रुपए ही हो पाया है।

'हक' ने बॉक्स ऑफिस पर अपनी शुरुआत 1.75 करोड़ रुपए के साथ की थी। हालांकि, इसके बाद प्रशंसकों से मिली तारीफ के दम पर फिल्म की कमाई में कुछ उछाल देखने को मिली। लेकिन फिर भी फिल्म को जितनी अच्छी प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं, बॉक्स ऑफिस

पर प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं हो पा रहा है। यही कारण है कि 11 दिनों बाद भी फिल्म का कलेक्शन 20 करोड़ रुपए तक भी नहीं पहुंच पाया है।

अजय देवगन की 'दे दे प्यार दे 2' के रिलीज होने के बाद 'हक' की कमाई में और भी गिरावट देखने को मिली है। 'दे दे प्यार दे 2' जहां चार दिनों में ही 37.59 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर चुकी है। वहीं 'हक' 11 दिनों बाद भी सिर्फ 17.19 करोड़ रुपए पर ही रुकी हुई है। सोमवार को भी 'दे दे प्यार दे 2' ने 2.84 करोड़ रुपए की कमाई की। जबकि 'हक' का कलेक्शन सिर्फ 24 लाख रुपए रहा।

'हक' की कहानी 1985 के शाह बानो केस पर आधारित है। फिल्म में यामी गौतम ने शाह बानो बेगम की भूमिका निभाई है। जबकि इमरान हाशमी उनके पति मोहम्मद अहमद खान के किरदार में हैं। फिल्म को क्रिटिक्स और दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर इसका असर उतना नहीं दिखा है।

बॉलीवुड के बाद अब तेलुगु सिनेमा में तहलका मचाने को तैयार राशा थडानी

बॉलीवुड | गपशप

फिल्म आजाद से बॉलीवुड में डेब्यू कर चुकीं राशा थडानी अब साउथ फिल्म में नजर आएंगी। राशा ने उई अम्मा गाने से सभी का दिल जीता। आज उन्होंने अपनी पहली तेलुगु फिल्म की घोषणा सोशल मीडिया हैंडल पर एक खास अंदाज में की।

राशा ने इंस्टाग्राम हैंडल पर कुछ ही देर पहले अपना एक धांसू लुक शेयर किया। जिसमें वह बाइक के साथ पोज देती नजर आ रही हैं। इस पोस्टर के साथ राशा ने कैप्शन में लिखा, नई शुरुआत, अनंत आभार। मैं तेलुगु सिनेमा में कदम रख रही हूं। आगे राशा ने अजय भूपति का धन्यवाद देते हुए लिखा, सर, इस अवसर के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। इस सफर को शुरू करने के लिए बहुत उत्साहित हूं।

राशा थडानी ने अभिनेत्री के तौर पर अपने करियर की शुरुआत फिल्म आजाद से की। राशा के अलावा यह फिल्म अजय देवगन के भतीजे अमन देवगन की भी डेब्यू फिल्म थी। आजाद एक पीरियड एक्शन-ड्रामा फिल्म है। इसका निर्देशन अभिषेक कपूर ने किया है। इसमें अमन देवगन, राधा थडानी के अलावा अजय देवगन और डायना पेंटी ने भी अहम भूमिका निभाई है। यह फिल्म 17 जनवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। वहीं अब राशा तेलुगु सिनेमा में भी कदम रख रही हैं।

राशा की तेलुगु फिल्म

बहरहाल, इस पोस्ट में राशा ने फिल्म का नाम नहीं बताया है। लेकिन उनके इस बोल्ड और हॉट लुक को देखकर लग रहा है कि वह इस बार कुछ अलग करने वाली हैं। राशा की पहली तेलुगु फिल्म को अजय भूपति निर्देशित करेंगे। अजय ने कई लोकप्रिय फिल्में निर्देशित की हैं, जिनमें उनकी पहली फिल्म आरएक्स 100, महा समुद्रम और मंगलावार शामिल हैं। अजय निर्देशक होने के साथ ही एक अच्छे लेखक भी हैं।

अजब-गजब | इस देश को माना जाता है दुनिया की चांदी की राजधानी

ये है चांदी का सबसे बड़ा उत्पादक देश

मेक्सिको को दुनिया का सबसे बड़ा चांदी उत्पादक माना जाता है, जो वैश्विक उत्पादन में लगभग 24 प्रतिशत योगदान देता है। लेकिन इसका इतिहास सिर्फ खनन तक ही सीमित नहीं है, बल्कि मेक्सिको का शहर टैक्सको अपने प्रसिद्ध दस्तकारी वाले चांदी के आभूषणों के लिए भी प्रसिद्ध है। आइए इसके बारे में और जानते हैं। मेक्सिको दशकों से दुनिया का सबसे बड़ा चांदी उत्पादक रहा है, जो हर साल वैश्विक आपूर्ति का लगभग एक-चौथाई हिस्सा देता है। जकाटेकास और डुरंगो जैसे ऐतिहासिक खनन क्षेत्र मेक्सिको को चांदी उत्पादन का एक प्रमुख केंद्र बनाते हैं। मेक्सिको दशकों से दुनिया का सबसे बड़ा चांदी उत्पादक रहा है, जो हर साल वैश्विक आपूर्ति का लगभग एक-चौथाई हिस्सा देता है।

जकाटेकास और डुरंगो जैसे ऐतिहासिक खनन क्षेत्र मेक्सिको को चांदी उत्पादन का एक प्रमुख केंद्र बनाते हैं। लेकिन मेक्सिको के छोटे शहर टेक्सको को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दुनिया की चांदी की राजधानी के रूप में जाना जाता है। इसकी संकरी गलियों में कई वर्कशॉप हैं, जहां कुशल कारीगर उच्च गुणवत्ता वाले आभूषण बनाते हैं। लेकिन मेक्सिको के छोटे शहर टेक्सको को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दुनिया की चांदी की राजधानी के रूप में जाना जाता है। इसकी संकरी गलियों में कई वर्कशॉप हैं, जहां कुशल कारीगर उच्च गुणवत्ता वाले आभूषण बनाते हैं। टेक्सको

अपने स्टर्लिंग सिल्वर आभूषणों (92.5 प्रतिशत शुद्धता) के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध है। इस आधुनिक स्टर्लिंग सिल्वर को 1930 के दशक में अमेरिकी कलाकार विलियम स्प्रैटलिंग ने पुनर्जीवित किया था। उन्होंने स्थानीय कारीगरों को यह कला सिखाई और टेक्सको को एक वैश्विक आभूषण केंद्र में बदल दिया।

टेक्सको अपने स्टर्लिंग सिल्वर आभूषणों (92.5प्रतिशत शुद्धता) के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध है। इस आधुनिक स्टर्लिंग सिल्वर को 1930 के दशक में अमेरिकी कलाकार विलियम स्प्रैटलिंग ने पुनर्जीवित किया था। उन्होंने स्थानीय कारीगरों को यह कला सिखाई और टेक्सको को एक वैश्विक आभूषण केंद्र में बदल दिया। मेक्सिकन चांदी के गहने एज्टेक और माया शैलियों जैसे कुंडलित आकृतियों, सर्प, सूर्य और पवित्र छवियों से प्रेरित हैं और अपने अद्वितीय डिजाइन के लिए जाने जाते हैं। यह डिजाइन इतिहास को कला के साथ जोड़ती है, जो न केवल एक आभूषण बल्कि एक सांस्कृतिक प्रतीक भी बनाती है। मेक्सिकन कारीगर फिरोजा, ओनिक्स, जेड, फायर ओपल, लाल जैस्पर और नीलमणि जैसे सुंदर रत्नों को जड़कर चांदी के गहनों की सुंदरता बढ़ाते हैं। मैक्सिकन कारीगर फिरोज़ा, ओनिक्स, जेड, फायर ओपल, लाल जैस्पर और नीलमणि जैसे सुंदर रत्नों को जड़कर चांदी के गहनों की सुंदरता बढ़ाते हैं।

मेक्सिको में अधिकांश चांदी के गहने ऐसे कारीगरों द्वारा हाथ से बनाए जाते हैं जो पीढ़ियों से चांदी पर काम कर रहे हैं। वे हाथ से चांदी के टुकड़ों को काटते हैं, उत्कीर्ण करते हैं, आकार देते हैं और पॉलिश करते हैं।

मेक्सिको में अधिकांश चांदी के गहने ऐसे कारीगरों द्वारा हाथ से बनाए जाते हैं जो पीढ़ियों से चांदी पर काम कर रहे हैं। वे हाथ से चांदी के टुकड़ों को काटते हैं, उत्कीर्ण करते हैं, आकार देते हैं और पॉलिश करते हैं।

बाइक की पीछे की सीट ऊंची क्यों होती है ? वजह है अजीबो-गरीब

दुनिया भर में आज करोड़ों लोग मोटरसाइकिल का इस्तेमाल करते हैं। किसी के पास स्पोर्ट्स बाइक होती है, तो किसी के पास साधारण बाइक। लेकिन लगभग सभी बाइकों में एक बात समान होती है, उनका डिजाइन। अधिकतर मोटरसाइकिलों में पीछे वाली सीट को आगे की सीट से ऊंचा रखा जाता है। कई लोग इस वजह से शिकायत भी करते हैं कि उन्हें उस पर चढ़ने में दिक्कत आती है। लेकिन क्या कभी आपने सोचा है कि कंपनियां ऐसा डिजाइन क्यों बनाती हैं? बाइक हमारे रोजमर्रा के सफर को बेहद आसान बना देती है। इसलिए राइड को आरामदायक बनाने के लिए सीट की ऊंचाई और चौड़ाई का ध्यान अच्छी तरह रखा जाता है। आपने अक्सर देखा होगा कि ज्यादातर बाइकों में पिलियन सीट थोड़ी ऊंची होती है। इसके पीछे कई तकनीकी वजहें छिपी होती हैं। सबसे पहले, बाइक के दोनों पहियों में सही बैलेंस बनाए रखना बहुत जरूरी है। इसके लिए आगे और पीछे दोनों टायरों पर वजन बराबर पड़ना चाहिए। जब पीछे की सीट को ऊंचा बनाया जाता है, तो पीछे बैठने वाले व्यक्ति का वजन बाइक के सेंटर ऑफ ग्रैविटी के नजदीक रहता है। इससे बाइक असंतुलित होने की संभावना कम हो जाती है। आसान भाषा में कहें, तो पहियों के बीच ज्यादा दूरी होने पर बीच का वजन संतुलन बनाए रखता है। ऊंची सीट पर बैठा व्यक्ति स्वाभाविक रूप से थोड़ा आगे की ओर झुकता है, जिससे वजन बीच में आता है और बाइक स्टेबल रहती है। साथ ही, इससे हवा का दबाव भी बाइक पर कम पड़ता है और राइड स्मूद रहती है। एक और कारण यह है कि ऊंची पिलियन सीट होने से पीछे बैठा व्यक्ति आगे बैठे राइडर के पीछे अच्छी तरह कवर हो जाता है। इससे उसे हवा, धूल और वाइब्रेशन का कम असर महसूस होता है। इसके अलावा ऊंची सीट सस्पेंशन के साथ बेहतर काम करती है, जिससे पीछे बैठने वाले को झटके भी कम लगते हैं।

रोहिणी के पक्ष में उतरे पिता-भाई

» तेज प्रताप ने रोहिणी आचार्य के 'अपमान' पर दी चेतावनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव अपनी बहन रोहिणी आचार्य के समर्थन में खुलकर सामने आ गए हैं। वहीं पिता लालू ने भी प्रतिक्रिया दी है। लालू ने कहा कि घर का मामला है सब जल्द सुलझा देंगे। तेज प्रताप ने कहा कि जयचंदों को कीमत चुकानी होगी और परिणाम भुगतने होंगे।'' रोहिणी ने हाल ही में अपने भाई तेजस्वी यादव और उनके सहयोगी संजय यादव पर अपमान का आरोप लगाया था। जनशक्ति जनता दल के प्रमुख तेज प्रताप ने सोशल मीडिया मंच फेसबुक पर एक भावनात्मक पोस्ट में कहा कि वह किसी भी कीमत पर अपनी बहन का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे।

रोहिणी दीदी के साथ हुए व्यवहार ने दिल को झकझोर दिया है। मेरे साथ जो हुआ, सह गया लेकिन मेरी बहन का अपमान असहनीय है। उन्होंने चेतावनी दी कि परिवार पर चोट करने वालों को बिहार की जनता कभी माफ नहीं करेगी। शनिवार को लालू प्रसाद की बेटी रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया पर राजनीति छोड़ने और परिवार से नाता तोड़ने का एलान कर सभी को हैरत में डाल दिया था।

लालू बोले- घर का मामला जल्द सुलझा जाएगा

चुनाव में धांधली की गई : अख्तरुल ईमान

पूर्व विधायक अख्तरुल ईमान शाहीन ने कहा कि चुनाव का परिणाम अप्रत्याशित रहा है।

मतदान से पहले महिलाओं के खाते में 10-10 हजार रुपये भेजे गए। चुनाव में धांधली की गई है। इसपर मिल बैठककर विमर्श किया जाएगा। बता दें कि बिहार 243 सदस्यों वाली

विधानसभा में सिर्फ राजद सिर्फ 25 सीटें ही जीत पाई, जो 2010 के बाद किसी चुनाव में उसका दूसरा सबसे खराब प्रदर्शन था। जिसके बाद से परिवार और पार्टी में माहौल गर्म है।

जयचंदों को कीमत चुकानी पड़ेगी, परिणाम भुगतने होंगे : तेज प्रताप

उन्होंने अपने भाई तेजस्वी यादव के करीबी संजय यादव और रमीज पर दबाव बनाने का आरोप लगाते हुए कहा था कि इन्हीं के कहने पर उन्हें राजनीति व परिवार से दूरी बनानी पड़ी। रविवार को रोहिणी ने एक के बाद एक पोस्ट कर अपनी पीड़ा बयां की। एक पोस्ट में उन्होंने आरोप लगाया, मुझसे मेरा मायका छुड़वाया गया, मुझे अनाथ बना दिया गया। रोते-रोते घर छोड़ा है। मुझे मारने के लिए चप्पल उठाई गई।'' उन्होंने यह भी लिखा कि अपने पिता को किडनी देने के उनके फैसले को अब 'गंदा' कहा जा रहा है। दूसरे पोस्ट में रोहिणी ने लिखा कि उन्हें गालियां देकर कहा गया कि उन्होंने ''गंदी किडनी'' लगवाई और इसके बदले करोड़ों रुपये व टिकट लिया। उन्होंने सभी बेटियों से अपील की कि वे अपने परिवार और बच्चों को प्राथमिकता दें और ''मेरी जैसी गलती न करें।

घर के मामले मैं निपटाने के लिए हूं : लालू प्रसाद

तेजस्वी यादव और रोहिणी आचार्य के विवाद पर लालू यादव आरोपों के बीच कल राजद की बैठक हुई है। इसमें लालू यादव ने पहली बार तेजस्वी यादव और बेटी रोहिणी आचार्य के बीच हुई लड़ाई का जिक्र किया। उन्होंने अपने नेताओं से कहा कि यह हमारे घर का मामला है। सभी घर में इस तरह की बातें होती हैं। हम घर में ही सुलझाएंगे। मैं इसे निपटाने के लिए वहां हूं। मीटिंग के दौरान, जिसमें लालू की पत्नी राबड़ी देवी, बड़ी बेटी मीसा भारती और जगदानंद सिंह समेत राजद के सीनियर नेता शामिल हुए, जिसमें तेजस्वी को विधायक दल का नेता चुना गया। लालू ने तेजस्वी की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने बिहार चुनाव के लिए बहुत मेहनत की और पार्टी को आगे बढ़ाया है। करीब चार घंटे तक चली बैठक में तेजस्वी यादव ने जीतने वाले नेताओं व हारने वालों से विमर्श किया। इसी में राजद सुप्रीमो ने कहा कि तेजस्वी नेता प्रतिपक्ष होंगे। बताया गया कि बैठक में वन टू वन बात की गई। चुनाव के परिणाम को कोर्ट ले जाने पर भी बात हुई है। महागठबंधन के नेताओं से विमर्श कर इसमें आगे फैसला लिया जाएगा। बैठक में पहुंचे उजियारपुर विधायक आलोक मेहता ने कहा कि समीक्षा की जा रही है कि कहां-कहां मैनीपुलेशन किया गया, प्रजातांत्रिक मूल्यों का हनन किया गया।

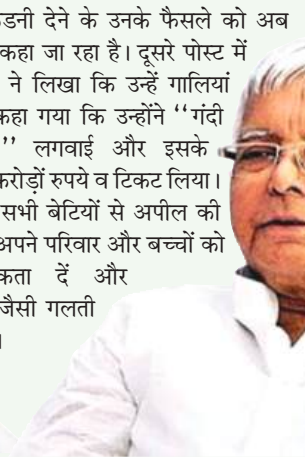

महबूबा मुफ्ती अपनी राजनीतिक स्थिति समझ कर दें बयान : सुरिंदर

» जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री ने पीडीपी अध्यक्ष को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने पीडीपी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती के हालिया राजनीतिक बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सोमवार को कहा कि उन्हें पहले यह समझना चाहिए कि वह स्वयं किस राजनीतिक स्थिति में हैं। उन्होंने कहा कि महबूबा कभी भाजपा के साथ चुनावी तालमेल करती हैं और कभी ऐसे बयान देती हैं, जिनसे जनता भ्रमित होती है।

उन्होंने कहा कि मुफ्ती यह स्पष्ट नहीं कर पा रही हैं कि जम्मू-कश्मीर में वह किस तरह की राजनीति करना चाहती हैं। जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री ने कहा, मुफ्ती को खुद तय करना होगा कि कौन सी लकीर लंबी खींचनी है और कौन सी छोटी। जनता सब देख रही है। महबूबा मुफ्ती ने हाल में कहा था, कश्मीर की आवाज अब लाल किले के सामने सुनाई दे रही है। इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए चौधरी ने कहा कि वह विवादों में पड़ना नहीं चाहते, लेकिन यह सच है कि जम्मू-कश्मीर का नागरिक परिस्थितियों को पूरी समझदारी से परखता है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि देश की एकता और सुरक्षा के लिए लोगों ने बड़ी कुर्बानियां दी हैं और इन कुर्बानियों में कभी स्वार्थ नहीं रहा। उन्होंने कहा कि भारतीय मतदाता छोटी-बड़ी चर्चाओं से भले प्रभावित हो जाएं, लेकिन हिंसा, अशांति या बाहरी हस्तक्षेप जैसे मुद्दों पर कभी भावनात्मक वोटिंग नहीं करता। चौधरी ने केंद्र सरकार से अपील करते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान जम्मू-कश्मीर के लोगों से किया गया पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का वादा अब पूरा किया जाना चाहिए। मुजफ्फरनगर में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में स्थिति सामान्य और शांतिपूर्ण है तथा एक-दो घटनाओं से राज्य की स्थिति नहीं बदली जा सकती। मुजफ्फरनगर जिले के शौरम गांव में आयोजित सर्व खाप पंचायत में भाग लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत में चौधरी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर देश के अन्य राज्यों की तरह शांतिपूर्ण राज्य है तथा उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली और पंजाब की तरह वहां भी स्थिति सामान्य है। उन्होंने आतंकवाद का मुद्दा उठाने के लिए मीडिया के कुछ वर्गों की आलोचना की।

वर्ल्ड टेनिस लीग का भारत में पदार्पण दिसंबर में

» दिग्गज खिलाड़ी होंगे टूर्नामेंट के मुख्य आकर्षण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। संयुक्त अरब अमीरात में तीन सीज़न तक दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के बाद, आइकॉनिक स्पोर्ट्स एंड इवेंट्स लिमिटेड द्वारा लाइसेंस्ड और प्रबंधित वर्ल्ड टेनिस लीग अगले महीने भारत में अपनी शुरुआत करने के लिए तैयार है। यह चार दिवसीय टूर्नामेंट 17 से 20 दिसंबर तक बेंगलुरु में आयोजित किया जाएगा और कर्नाटक स्टेट लॉन टेनिस एसोसिएशन के स्वामित्व वाले प्रतिष्ठित एसएम कृष्णा टेनिस स्टेडियम में इसका आयोजन होगा। यह संस्करण डब्ल्यूटीएल की उत्कृष्टता की विरासत को जारी रखेगा, जिसमें डेनियल मेदवेदेव, निक किर्गियोस, ऐलेना रयबाकिना, पाउला बडोसा, रोहन बोपन्ना, गेल मोनफिल्स, आर्थर फिल्स, सुमित नागल, माग्दा लिनेट और मार्टा कोस्तयुक सहित टेनिस प्रतिभाओं की एक मजबूत लाइनअप शामिल होगी।

देश में टेनिस के बढ़ते रुझान को देखते हुए, डब्ल्यूटीएल ने भारत के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों जैसे युकी भांबरी, अंकिता रैना, श्रीवल्ली भामिदीपाती, माया रेवती, धाकशिनेश्वर सुरेश और शिविका बर्मन को भी इसमें शामिल किया है। यह कदम भारत में खेल के विकास को बढ़ावा देगा और देश भर के टेनिस प्रशंसकों को उत्साहित करेगा। अपने अनूठे टीम प्रारूप और उच्च-स्तरीय प्रतिस्पर्धा के साथ, वर्ल्ड टेनिस लीग ने टेनिस कैलेंडर में एक प्रमुख आयोजन के रूप में अपनी पहचान स्थापित की है, और दुनिया भर के खिलाड़ियों और प्रशंसकों दोनों का ध्यान आकर्षित करना जारी रखा है। भारत में अपनी पहली उपस्थिति के बारे में बात करते हुए, विश्व नंबर 5 ऐलेना रयबाकिना ने कहा, मैंने भारत में टेनिस संस्कृति के बारे में बहुत कुछ सुना है, और मैं डब्ल्यूटीएल के साथ यहां अपनी शुरुआत करने के लिए उत्साहित हूं।

विश्व बैंक के फंड से महिलाओं को बांटा गया पैसा

» जन सुराज का दावा- किसी और मद से काटा गया बजट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जन सुराज पार्टी ने आरोप लगाया है कि बिहार चुनाव से पहले महिलाओं को दी गई 10,000 रुपये की राशि विश्व बैंक के किसी अन्य प्रोजेक्ट से हटाकर दी गई। पवन वर्मा ने दावा किया कि आचार संहिता लागू होने से ठीक पहले भारी रकम स्थानांतरित की गई। पार्टी मानती है कि इस कदम का चुनाव परिणामों पर बड़ा असर पड़ा। जन सुराज पार्टी ने बिहार चुनाव परिणामों के बाद फिर एक नया आरोप सामने रखा है। मौजूद जानकारी के अनुसार पार्टी के प्रवक्ता पवन वर्मा ने दावा किया है कि चुनाव के दौरान केंद्र सरकार ने विश्व बैंक से आए धन को किसी और परियोजना से हटाकर महिलाओं को बांटा है।

बता दें कि जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर पहले ही चुनाव को लेकर कई गंभीर सवाल उठा चुके हैं। पवन वर्मा ने कहा कि राज्य की महिला मतदाताओं को चुनाव से ठीक

पहले मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 10,000 रुपये दिए गए थे। उन्होंने कहा कि यह रकम लगभग 21,000 करोड़ रुपये के फंड से ली गई, जो विश्व बैंक ने एक अलग परियोजना के लिए भेजा था। उनका आरोप है कि आचार संहिता लागू होने से लगभग एक घंटे पहले करीब 14,000 करोड़ रुपये निकालकर 1.25 करोड़ महिलाओं के खातों में भेजे गए हैं। गौरतलब है कि उन्होंने यह भी कहा कि आरोप सही हों या न हों, इसकी जांच होनी चाहिए। वर्मा ने कहा कि अगर यह जानकारी गलत साबित होती है तो वे माफी मांगेंगे, लेकिन अगर सही निकली तो यह गंभीर नैतिक सवाल खड़े करती है। उन्होंने यह भी दावा किया कि चुनाव के दौरान यह अफवाह फैली कि अगर एनडीए सत्ता में नहीं आती तो बाकी का पैसा ट्रांसफर नहीं होगा, जिससे कई महिलाओं में असमंजस बना रहा है। बिहार का सार्वजनिक कर्ज लगभग 4.06 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है और हर दिन का ब्याज करीब 63 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।

पीएम ने फ्रीबी कल्चर की आलोचना की पर खुद पलटे

सोशल वेलफेयर स्कीमों को लेकर पूछे गए सवाल पर वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद फ्रीबी कल्चर की आलोचना कर चुके हैं, लेकिन बिहार में हालात उलट दिखाई दिए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी की खराब प्रदर्शन का कारण शराबबंदी को हटाने के संभावित वादे को नहीं माना जाना चाहिए, क्योंकि शराब पहले से ही ऊंची कीमत पर आसानी से उपलब्ध है, जिससे महिलाओं पर ज्यादा बोझ पड़ रहा है।

आरआर ने संगकारा को बनाया टीम का मुख्य कोच

» कोच का पद छोड़ चुके राहुल द्रविड़ की लेंगे जगह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के लिए होने वाली मिनी नीलामी से पहले राजस्थान रॉयल्स ने कमर कस ली है। आगामी सत्र से पहले 16 दिसंबर को अबु धाबी में खिलाड़ियों की नीलामी होनी है और इससे पहले राजस्थान ने श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा को टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। संगकारा राहुल द्रविड़ की जगह यह भूमिका निभाएंगे जिन्होंने आईपीएल 2025 सीजन के कुछ समय बाद अपना पद छोड़ दिया था। संगकारा 2021 से फ्रेंचाइजी के क्रिकेट निदेशक हैं और वह अब द्रविड़ की जगह मुख्य कोच की जिम्मेदारी भी संभालेंगे।

द्रविड़ ने इस साल अगस्त में अपना पद छोड़ा था। संगकारा इससे पहले 2021 से 2024 तक टीम के मुख्य कोच रह चुके हैं और वह अब एक बार फिर ये जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार हैं। राजस्थान रॉयल्स ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, क्रिकेट निदेशक कुमार संगकारा आईपीएल 2026 में टीम के मुख्य कोच की भूमिका भी निभाएंगे। पूर्व भारतीय कप्तान द्रविड़ का कार्यकाल अचानक समाप्त हो गया, जो 2025 में लंबी अवधि के अनुबंध के साथ फ्रेंचाइजी में लौटे थे। टी20 विश्व कप विजेता पूर्व राष्ट्रीय कोच ने इस साल की शुरुआत में टीम के खराब प्रदर्शन की संरचनात्मक समीक्षा के बाद पद छोड़ दिया। राजस्थान रॉयल्स का पिछले सत्र में प्रदर्शन बेहद खराब रहा था तथा उसकी टीम 10 टीमों के इस टूर्नामेंट में 14 मैचों में से केवल चार जीत के साथ नौवें स्थान पर रही थी। राजस्थान रॉयल्स ने पिछले सत्र तक अपने कप्तान रहे संजू सैमसन को चेन्नई सुपर किंग्स के साथ ट्रेड किया है। इसके बदले में उसने रवींद्र जडेजा को अपनी टीम में शामिल किया है। संगकारा की नियुक्ति की घोषणा रिटेंशन के तुरंत बाद की गई है। राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल 2026 से पहले कुल सात खिलाड़ियों को रिलीज किया है जिसमें से तीन विदेशी खिलाड़ी हैं।

सनराइजर्स हैदराबाद के कमिंस ही रहेंगे कप्तान

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज पैट कमिंस लगातार तीसरे सीजन आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद की कमान संभालेंगे। सनराइजर्स ने एक्स हैंडल पर पोस्ट कर इस बात की पुष्टि कर दी है। कमिंस ने 2024 में एडेन मार्कर्म से सनराइजर्स की कप्तानी संभाली थी जब विश्व टेस्ट चैंपियनशिप और 2023 के 50 ओवर के विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की सफलता के बाद 2024 की आईपीएल खिलाड़ियों की नीलामी में फ्रेंचाइजी ने 20.50 करोड़ रुपये में खरीदा था। कमिंस इससे पहले आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स और दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेल चुके हैं। सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2026 के लिए होने वाली मिनी नीलामी से पहले खिलाड़ियों को रिटेन और रिलीज करने की सूची जारी की थी। सनराइजर्स ने कमिंस को बरकरार रखा था और अब उनकी कप्तानी भी बरकरार है।

बिहार में सरकार के गठन से पहले ही रार

पदों को लेकर भाजपा-जदयू में खींचतान, दिल्ली में राजग की बैठक, नीतीश व शाह की नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में नई सरकार बनाने की कवायद आरंभ हो गई है। पर उससे पहले पदों को लेकर राजग में कु छ अनबन की खबरें आ रहीं हैं। सबसे ज्यादा मामला विस अध्यक्ष अर्थात स्पीकर को लेकर फं स रहा है। नीतीश कुमार 20 नवंबर को 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। गांधी मैदान में होने वाले शपथ ग्रहण समारोह को भव्य बनाने की तैयारियाँ अंतिम चरण में हैं।

जदयू, लोजपा (रालोद), हम और रालोद ने अपने-अपने मंत्रियों के नाम तय कर लिए हैं। इस बीच, के मंत्रियों को लेकर दिल्ली में विचार-विमर्श चल रहा है। सूत्रों के अनुसार, भाजपा अपने आधे से ज़्यादा मंत्रियों को हटा सकती है या बदल सकती है। हालाँकि, नीतीश कुमार अपने पुराने चेहरों पर ही भरोसा बनाए रख सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, बिहार में नई एनडीए सरकार के गठन को अंतिम रूप देने के लिए गहन विचार-विमर्श के साथ-साथ, भाजपा और जदयू दोनों ही विधानसभा अध्यक्ष पद पर अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं। नीतीश कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) और भाजपा के बीच मंगलवार को नई दिल्ली में एक महत्वपूर्ण बैठक होने वाली है, जिसमें अध्यक्ष पद के साथ-साथ प्रमुख मंत्रिस्तरीय विभागों का आवंटन भी एजेंडे में सबसे ऊपर होगा। सूत्रों के अनुसार, भाजपा और जदयू दोनों ही विधानसभा अध्यक्ष पद पर अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं, खासकर भाजपा कथित तौर पर हर कीमत पर इस पद को बरकरार रखने के लिए प्रतिबद्ध है। निवर्तमान विधानसभा में, भाजपा नेता नंद किशोर यादव अध्यक्ष पद पर थे, जबकि जदयू के नरेंद्र नारायण यादव उपाध्यक्ष पद पर थे।

भाजपा

कई प्रमुख सरकारी विभागों को लेकर लड़ाई

अध्यक्ष पद के अलावा, कई प्रमुख सरकारी विभागों को लेकर भी तीखी सौदेबाजी चल रही है। राज्य भाजपा नेताओं ने रणनीति पर विचार-विमर्श के लिए पटना में देर रात तक चर्चा की, और जदयू नेता संजय कुमार झा और ललन सिंह सहित कुछ नेताओं के मंगलवार को उच्च स्तरीय वार्ता में शामिल होने के लिए दिल्ली आने की उम्मीद है।

स्पीकर पद पर बीजेपी का मजबूत दावा

इस बीच, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान गठबंधन के छोटे सहयोगियों - चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), जीतन राम मांझी की हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) और उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक समता पार्टी - के साथ समानांतर चर्चा कर रहे हैं। सूत्रों से संकेत मिलता है कि नई सरकार में अपनी भूमिका को लेकर तीनों प्रमुख सहयोगियों के साथ सहमति बन गई है। एनडीए दलों ने कथित तौर पर एक ऐसे फॉर्मूले पर सैद्धांतिक रूप से सहमति व्यक्त की है जिसके तहत प्रत्येक छह विधायकों पर एक मंत्री पद आवंटित किया जाएगा।

भाजपा और जदयू की विधायक दल की बैठकें

भाजपा और जदयू दोनों के लिए अलग-अलग विधायक दल की बैठकें 19 नवंबर को बुलाई गई हैं। इन अलग-अलग बैठकों के बाद, उसी दिन बाद में पूरे एनडीए विधायक दल की एक संयुक्त बैठक भी होगी। इन प्रयासों का समापन 20 नवंबर को होगा, जब पटना के गांधी मैदान में नई एनडीए सरकार का शपथ ग्रहण समारोह होगा। बिहार में नई एनडीए सरकार के गठन की प्रक्रिया सोमवार को शुरू हो गई, जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से मुलाकात की और बुधवार से निवर्तमान विधानसभा को भंग करने की सिफारिश की। जेडीयू प्रमुख बुधवार को फिर से राज्यपाल से मिलकर अपना इस्तीफा सौंपेंगे, साथ ही एनडीए के सभी घटक दलों का समर्थन पत्र भी सौंपेंगे। नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री बनने के साथ ही, बिहार में नई सरकार बनाने के लिए अन्य कैबिनेट मंत्रियों के भी शपथ लेने की उम्मीद है।

बिहार सुधार कर रहूंगा, पीछे हटने वाला नहीं : प्रशांत किशोर

» जनसुराज अध्यक्ष ने चुनावी हार के बाद ने तोड़ी चुप्पी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधानसभा चुनावों में भारी हार के बाद पहली प्रतिक्रि या में, जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने हार का सारा दोष अपने ऊपर लेते हुए राज्य की जनता से माफ़ी मांगी। अपनी पार्टी की बिहार चुनाव में भारी हार के लिए सारी जिम्मेदारी लेते हुए, जन सुराज पार्टी प्रमुख ने कहा कि वह सरकार बदलने में नाकाम रहे। उन्होंने एक दिन का मौन व्रत भी लिया।

उन्होंने कहा कि हमने अपनी तरफ से बहुत सकारात्मक प्रयास किया। हम इस सरकार को बदलने में नाकाम रहे। हमने अपनी तरफ से बहुत कोशिश की, लेकिन लगता है हम कहीं न कहीं चूक गए। मैं सारा दोष अपने ऊपर लेता हूँ क्योंकि मैं लोगों को समझा नहीं पाया। हम आत्ममंथन करेंगे। किशोर ने कहा कि गहरा झटका मिला लेकिन हम गल्तियों को सुधारेंगे, मजबूत हो कर लौटेंगे, पीछे जाने का सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने कहा कि जनता ने राजग को जनादेश दिया है, चुनाव में किए गए वादों को पूरा करने के लिए काम करना मोदी, नीतीश की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि मैं बिहार की जनता को यह समझाने में नाकाम रहा कि उन्हें किस आधार पर वोट देना चाहिए और नई व्यवस्था क्यों बनानी चाहिए। इसलिए, प्रायश्चित स्वरूप, मैं 20 नवंबर को गांधी भितिहरवा आश्रम में एक दिन का मौन व्रत रखूँगा। उन्होंने कहा कि हमसे गलतियाँ हो सकती हैं, लेकिन हमने कोई अपराध नहीं किया है। हमने समाज में जाति-पाँत का ज़हर फैलाने का अपराध नहीं किया है। हमने बिहार में हिंदू-मुस्लिम की राजनीति नहीं की है। हमने धर्म के नाम पर लोगों को बाँटने का अपराध नहीं किया है। हमने बिहार की गरीब, भोली-भाली जनता को पैसे देकर उनके वोट खरीदने का अपराध नहीं किया है। उन्होंने कहा कि हमारे प्रयासों में, हमारी सोच में, और जिस तरह से हमने यह समझाया कि जनता ने हमें नहीं चुना, उसमें ज़रूर कोई न कोई चूक रही होगी। अगर जनता ने हम पर विश्वास नहीं दिखाया, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी मेरी है। मैं इस बात की पूरी जिम्मेदारी शत-प्रतिशत अपने ऊपर लेता हूँ कि मैं बिहार की जनता का विश्वास नहीं जीत सका।

अयोध्या में ध्वजारोहण समारोह में शामिल होंगे इकबाल अंसारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। बाबरी मामले के पक्षकार रहे इकबाल अंसारी ने मंगलवार को कहा कि 25 नवंबर को नगर में होने वाले ध्वजारोहण समारोह में मैं भी जाऊंगा। मुझे भी मोबाइल फोन पर निमंत्रण मिला है। नगर में माहौल बना हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आ रहे हैं। 2019 में आए फैसले को सभी ने स्वीकार किया है। देश के मुसलमानों ने भी सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय को स्वीकार किया है।

उन्होंने कहा कि जिन लोगों की आस्था थी उन्हें मंदिर मिल गया है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद भूमि पूजन समारोह हुआ। प्राण प्रतिष्ठा हुई और अब ध्वजारोहण समारोह हो रहा है। सभी अयोध्यावासी खुश हैं।

गुजरात में एम्बुलेंस में आग लगने से 4 लोग जिंदा जले

नवजात, पिता, डॉक्टर और नर्स की जलकर मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। गुजरात के अरावली जिले के मोडासा में राणा सैयद इलाके के पास एक हादसा हुआ, जहाँ मोडासा के एक निजी अस्पताल की एम्बुलेंस में आग लग गई, जिससे एक बच्चे समेत चार लोगों की मौत हो गई। एम्बुलेंस में सवार दो अन्य यात्री गंभीर रूप से झुलस गए और उन्हें तुरंत इलाज के लिए पास के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया।

जानकारी के अनुसार, मोडासा के एक अस्पताल से एक बच्चे को एम्बुलेंस में उन्नत इलाज के लिए अहमदाबाद ले जाया जा रहा था। रास्ते में, एम्बुलेंस में आग लग गई, जिससे डॉक्टर, एक नर्स, बच्चे और एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई। एम्बुलेंस में सवार दो अन्य लोग गंभीर रूप से झुलस गए और उन्हें पास के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है।आग लगने का सही कारण अभी भी स्पष्ट नहीं है। मोडासा टाउन पुलिस ने घटना की जाँच शुरू कर दी है। मोडासा के राणा सैयद के पास हुई इस घटना का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर सामने आया है। एक सीसीटीवी वीडियो में देखा जा सकता है कि एक चलती गाड़ी में अचानक आग लग जाती है। यह फुटेज पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरे से ली गई है। पीड़ित की पहचान- मृतकों के नाम- जिग्नेश मोची (उम्र 38) - नवजात शिशु के पिता। जिग्नेशभाई का नवजात शिशु (उम्र- 1 दिन)। राजकरण रेतिया (उम्र 30)-डाक्टर।

भूरीबेन मनात (उम्र 23) - नर्स। तीन जले हुए घायल मरीज़ों का इलाज चल रहा है। जब आग लगी, तब एम्बुलेंस चालक ने गाड़ी रोक दी थी। आगे बैठे तीन लोग मामूली से मध्यम रूप से झुलस गए और उन्हें तुरंत चिकित्सा सहायता के लिए ले जाया गया। ये तीनों घायल मरीज़ इलाज करा रहे हैं।

चुनाव आयोग के खिलाफ सुप्रीम चौखट पर केरल सरकार

» एसआईआर को निकाय चुनाव तक रोकने की अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्चि। केरल सरकार ने राज्य में भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा वर्तमान में किए जा रहे मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को स्थगित करने की मांग करते हुए सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है।

संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत दायर एक रिट याचिका में राज्य ने तर्क दिया है कि स्थानीय स्वशासन संस्थाओं (एलएसजीआई) के चुनावों के साथ-साथ एसआईआर कराने से गंभीर प्रशासनिक चुनौतियाँ उत्पन्न होंगी और चुनावों के सुचारू संचालन में बाधा उत्पन्न होगी।

राज्य ने स्पष्ट किया कि यद्यपि वह बाद में एसआईआर प्रक्रिया की वैधता को चुनौती देने का अधिकार सुरक्षित रखता है, लेकिन वर्तमान याचिका केरल में संशोधन प्रक्रिया को स्थगित करने पर केंद्रित है। केरल में 1,200 स्थानीय निकाय चुनाव (एलएसजीआई) हैं, जिनमें 941 ग्राम पंचायतें, 152 ब्लॉक पंचायतें, 14 ज़िला पंचायतें, 87 नगर पालिकाएँ और 6 निगम शामिल हैं, जो कुल मिलाकर 23,612 वार्डों को कवर करते हैं। चुनाव 9 और 11 दिसंबर को दो चरणों में होने हैं। एसआईआर 4 नवंबर को शुरू हुआ, और 4 दिसंबर को मसौदा मतदाता सूची प्रकाशित होनी थी, जिससे पूरे संशोधन को लागू करने के लिए केवल एक महीना बचा है। राज्य का तर्क है कि यह समय-सीमा स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारियों से गंभीर रूप से टकराती है। याचिका के अनुसार, स्थानीय निकाय चुनाव कराने के लिए 68,000 सुरक्षा कर्मचारियों के अलावा 1,76,000 कर्मियों की आवश्यकता है। एसआईआर को ही 25,668 अतिरिक्त कर्मियों की आवश्यकता है, जिसके बारे में राज्य का कहना है कि इससे प्रशासनिक मशीनरी पर गंभीर दबाव पड़ता है और नियमित शासन-प्रशासन ठप होने का खतरा है। याचिका में संविधान के अनुच्छेद 243-ई और 243-यू के साथ-साथ केरल पंचायत राज अधिनियम की धारा 38 और केरल नगर पालिका अधिनियम की धारा 94 का हवाला दिया गया है, जो सभी पिछली परिषदों की पहली बैठक के पाँच वर्षों के भीतर चुनाव कराने का आदेश देते हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।